RNI No. : TNHIN/2013/5252 ■ वर्ष - 13 ■ अंक - 138 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » शुक्रवार » 12-12-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 कांग्रेस तो बीस साल में भी एसआईआर के लिए तैयार नहीं हुई : सुधांशु त्रिवेदी

6 इंडिगो संकट : आसमान पर बढ़ता एकाधिकार

7 आलिया भट्ट ने रेड सी अंतर्राष्ट्रीय फिल्म फेस्टिवल में की शिरकत

फर्स्ट टेक

बांग्लादेश में 12 फरवरी को संसदीय चुनाव होगा

ढाका/भाषा। बांग्लादेश में 13वां संसदीय चुनाव 12 फरवरी को होगा। मुख्य निर्वाचन आयुक्त एएमएम नासिर उद्दीन ने बृहस्पतिवार को यह घोषणा की। अगस्त 2024 में छात्रों के नेतृत्व में हुए हिंसक विरोध प्रदर्शन में प्रधानमंत्री शेख हसीना को सत्ता से हटाए जाने के बाद यह पहला चुनाव होगा। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने कहा, ''मतदान बृहस्पतिवार, 12 फरवरी, 2026 को होगा।''

रुपया 39 पैसे टूटकर अब तक के सबसे निचले स्तर 90.33 प्रति डॉलर

मुंबई/भाषा। रुपया बृहस्पतिवार को 39 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले अब तक के सबसे निचले स्तर 90.33 प्रति डॉलर (अस्थायी) पर बंद हुआ। भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर अनिश्चितता के बीच स्थानीय मुद्रा दबाव में रही।
विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि रुपये में गिरावट जारी रहने की आशंका है क्योंकि भारत एवं अमेरिका के बीच व्यापार समझौते में देरी से निवेशकों का भरोसा प्रभावित हो रहा है। इसके अलावा, बाजार में जोखिम से बचने की प्रवृत्ति और विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी ने भी रुपये पर दबाव डाला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 89.95 पर खुला। फिर कमजोर होता हुआ कारोबार के दौरान अपने सबसे निचले स्तर 90.48 पर आ गया। हालांकि कारोबार के अंत में रुपया 90.33 प्रति डॉलर (अस्थायी) पर बंद हुआ जो पिछले बंद भाव से 39 पैसे कम है। रुपया बुधवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 89.87 पर बंद हुआ।

अमेरिका को नया शांति प्रस्ताव भेजेगा यूक्रेन

कीव/एपी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि यूक्रेन बुधवार को अपना नया शांति प्रस्ताव अमेरिकी वार्ताकारों को सौंपने वाला है। यह कदम लगभग 30 देशों के नेताओं के साथ होने वाली उनकी अहम बैठक से एक दिन पहले उठाया जा रहा है, जो रूस के साथ युद्ध को स्वीकार्य शर्तों पर समाप्त करने के प्रयास में कीव का समर्थन करते हैं। इस बीच, जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टॉर्मर और फ्रांस के राष्ट्रपति एमैनुएल मैक्रों ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से फोन पर चर्चा की। यूरोपीय नेताओं ने आधिकारिक बयानों में कहा कि वार्ताएं ''एक निर्णायक मोड़'' पर हैं। ट्रंप ने कहा कि जेलेंस्की को ''वास्तविकता'' समझनी होगी और यूरोपीय नेता इस सप्ताहांत अमेरिका तथा यूक्रेन के साथ एक बैठक चाहते हैं।

12-12-2025 सूर्यास्त 5:43 बजे | 13-12-2025 सूर्योदय 6:22 बजे

BSE	NSE
84,818.13	25,898.55
(+426.86)	(+140.55)

सोना	चांदी
13,418 रु.	207,000 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

उल्टा-पुल्टा

जज ही जब दिखते लाचार,
जनता जाए किसके द्वार।
डाक्टर दिखे स्वयं बीमार,
कौन करेगा तब उपचार।
घूम रहे गुरु बन मक्कार,
शिक्षा आज बनी व्यापार।
नेता कुंठित भ्रष्ट लबार,
कैसे चल पाए सरकार।।

मणिपुर में हिंसा के कारण जनता के दर्द से अवगत, सरकार सद्भाव बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंफाल/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह जातीय हिंसा के कारण मणिपुर के लोगों के दर्द से अवगत हैं और आश्वासन दिया कि सरकार सद्भाव को मजबूत करने और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

राज्य को दृढ़ता और साहस की धरती बताते हुए राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि मणिपुर के लोगों ने खेल, रक्षा, कला-संस्कृति और लोकसेवा जैसे विविध क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान देकर राष्ट्र को समृद्ध बनाया है।

यह राष्ट्रपति मुर्मू का भारत की राष्ट्रपति बनने के बाद राज्य का पहला दौरा है।

एक नागरिक अभिनंदन समारोह में लोगों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, मुझे उस पीड़ा का आभास है, जिससे मणिपुर के लोग दुर्भाग्यपूर्ण हिंसा के बाद गुजरे हैं। मैं आपको आश्वस्त करना चाहती हूं कि आपकी चिंताओं का समाधान करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

मई 2023 से लेकर अब तक मेइती और कुकी समुदायों के बीच हुए संघर्षों में कम से कम 260 लोग मारे गए और हजारों लोग बेघर हो गए। राज्य में फिलहाल राष्ट्रपति शासन लागू है।

राष्ट्रपति ने कहा, मेरी सरकार हर प्रभावित परिवार के साथ खड़ी है। भारत सरकार सद्भाव को मजबूत करने, सुरक्षा सुनिश्चित करने और मणिपुर को स्थिरता और समृद्धि की राह पर आगे बढ़ने में सहयोग देने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। उन्होंने आगे कहा कि राज्य की घाटियां और पहाड़ियां प्राकृतिक सुंदरता से भरपूर हैं।

मुर्मू ने कहा कि मणिपुर के लोग प्रतिभाशाली और मेहनती हैं, और उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि घाटी और पहाड़ियों के समुदाय नए सामंजस्य के साथ एकजुट रहेंगे और समृद्धि और खुशी की नई ऊंचाइयों की ओर अग्रसर होंगे। उन्होंने कहा, मैं मणिपुर के लोगों से सद्भाव और विकास में उनका सहयोग जारी रखने का आग्रह करती हूं।

कर्नाटक में नेतृत्व में कोई बदलाव नहीं : यतींद्र सिद्दरामय्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेलगावी (कर्नाटक)/भाषा। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या के बेटे यतींद्र सिद्दरामय्या ने बृहस्पतिवार को दोहराया कि राज्य में नेतृत्व में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है। कांग्रेस के विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) ने कहा कि राज्य में सत्ता संघर्ष नहीं है।

कांग्रेस सरकार के पांच साल के कार्यकाल की ढाई वर्ष की अवधि 20 नवंबर को पूरा होने के बाद नेतृत्व परिवर्तन की अटकलें तेज हो गई थीं। इन्हें सिद्दरामय्या और शिवकुमार के बीच 2023 में कथित सत्ता-साझाकरण समझौते की चर्चा से और बल मिला।

हाल ही में पार्टी आलाकमान के निर्देश पर मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री ने एक-दूसरे के आवास पर बैठकें कीं। इस कदम को नेतृत्व को लेकर खींचतान को रोकने और विशेष रूप से बेलगावी विधानसभा सत्र से पहले सिद्दरामय्या के मुख्यमंत्री के रूप में बने रहने का संकेत देने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि वे पार्टी आलाकमान के फैसले का पालन करेंगे।

हिंदुओं को निशाना बनाया जा रहा है : पवन कल्याण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमरावती/भाषा। आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने आरोप लगाया कि ''हर कोई हिंदुओं को निशाना बना रहा है और हर मौके पर उनकी परंपराओं पर सवाल उठा रहा है''। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह हर हिंदू का कर्तव्य है कि वह हिंदू रीति-रिवाजों को निशाना बनाए जाने पर विरोध प्रदर्शित करे। उपमुख्यमंत्री ने पड़ोसी राज्य तमिलनाडु के तिरुप्पारनकुंद्रम पहाड़ी पर दीप जलाने को लेकर हुए विवाद का जिक्र करते हुए कहा कि मद्रास उच्च न्यायालय की मदुरै पीठ के एक न्यायाधीश द्वारा 'हिंदू समुदाय के अधिकारों की रक्षा' करने वाला फैसला सुनाए जाने के बाद 100 से अधिक सांसदों ने संसद में न्यायाधीश को पद से हटाने का प्रस्ताव लाने के लिए नोटिस दिया है। उन्होंने हालांकि कहा कि जब उच्चतम न्यायालय ने शबरिमला मंदिर मामले में फैसला सुनाया तो हिंदुओं ने कानूनी लड़ाई लड़ी, लेकिन न्यायाधीशों को पद से हटाने का अनुरोध नहीं किया। उन्होंने कहा कि संविधान ने सभी धर्मों को समान अधिकार दिए हैं और 'न्याय सबके लिए एक समान है'। कल्याण ने कहा कि इस्लाम और ईसाई धर्म के हितों की रक्षा के लिए बनाए गए नियम हिंदू धर्म पर भी लागू होंगे।

तमिलनाडु की कुछ राजनीतिक पार्टियों पर 'छद्म धर्मनिरपेक्षता' का पालन करने का आरोप लगाते हुए उन्होंने तमिलनाडु की द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) सरकार पर मंदिरों के मामलों में 'हस्तक्षेप' करने का आरोप लगाया।

हाइड्रोजन ईंधन सेल वाले वाहन भारत के स्वच्छ ऊर्जा भविष्य के लिए परिवर्तनकारी : प्रल्हाद जोशी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रल्हाद जोशी ने बृहस्पतिवार को कहा कि हाइड्रोजन ईंधन सेल वाले इलेक्ट्रिक वाहन भारत के स्वच्छ ऊर्जा भविष्य की दिशा में 'परिवर्तनकारी कदम' साबित होंगे।

जोशी जापानी वाहन विनिर्माता टोयोटा की हाइड्रोजन ईंधन संचालित कार 'मिराई' को चलाकर नए संसद भवन तक पहुंचे। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा, आज हाइड्रोजन से चलने वाली टोयोटा मिराई कार से संसद गया। यात्रा बेहद सहज, शांत और आरामदायक रही। यह वाहन शून्य-उत्सर्जन करता है, जो भारत के स्वच्छ भविष्य के लिए हाइड्रोजन ईंधन संचालित परिवहन क्षमता को दर्शाता है।

जोशी ने कहा कि नवीकरणीय ऊर्जा से तैयार 'हरित हाइड्रोजन' भविष्य के वैश्विक ऊर्जा तंत्र की आधारशिला बन रही है। उन्होंने बताया कि मंत्रालय एवं टोयोटा कंपनी के बीच सहयोग और 'मिराई' वाहन को जमीनी हालात में परीक्षण के लिए सौंपना नवाचार, उद्योग विशेषज्ञता और वैज्ञानिक दृढ़ता को एक साथ लाता है, जिससे भारत के स्वच्छ ऊर्जा संक्रमण को गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि 'मिराई' नाम का अर्थ जापानी भाषा में 'भविष्य' होता है और यह वाहन भारत के स्वच्छ एवं टिकाऊ परिवहन प्रणाली की आकांक्षा का प्रतीक है।

राष्ट्रीय सौर ऊर्जा संस्थान (एनआईएसई) टोयोटा के साथ हुए समझौता ज्ञापन (एमओयू) के तहत इस कार का व्यापक जमीनी परीक्षण करेगा। इसमें गर्मी, धूल, भीड़भाड़ वाले यातायात और विभिन्न भौगोलिक स्थितियों में कार के प्रदर्शन का अध्ययन किया जाएगा। जोशी ने कहा कि हाइड्रोजन ईंधन सेल वाहन स्वच्छ, शांत एवं उत्सर्जन-मुक्त होते हैं तथा इनमें ईंधन के ज्वलन से केवल पानी निकलता है।

माइक्रोसॉफ्ट भारत में एआई परिवेश को लेकर प्रतिबद्ध : सत्य नडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। अमेरिकी बहुराष्ट्रीय प्रौद्योगिकी कंपनी माइक्रोसॉफ्ट के चेयरमैन एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) सत्य नडेला ने बृहस्पतिवार को कहा कि कंपनी भारत के कृत्रिम मेधा (एआई) परिवेश को लेकर प्रतिबद्ध है और बड़े पैमाने पर बुनियादी ढांचे में निवेश कर रही है। उन्होंने कहा कि माइक्रोसॉफ्ट, 'क्लाउड' क्षेत्र में अपनी उपस्थिति को मजबूत करने के साथ एआई-संचालित भविष्य के लिए लाखों भारतीयों को कुशल बनाने पर ध्यान केंद्रित कर रही है।

माइक्रोसॉफ्ट ने चार प्रमुख आईटी कंपनियों कॉग्निजेंट, इन्फोसिस, टीसीएस और विप्रो के साथ रणनीतिक साझेदारी की भी घोषणा की। ये कंपनियां 'एजेंटिक' एआई को अपनाने में तेजी लाने के लिए माइक्रोसॉफ्ट के साथ मिलकर काम करेंगी।

'माइक्रोसॉफ्ट' के यहां आयोजित एक कार्यक्रम में नडेला ने कहा, ''हम भारत में निवेश करने को लेकर बहुत उत्साहित हैं ताकि हम यहां सर्वश्रेष्ठ श्रेणी का बुनियादी ढांचा ला सकें। यह 17.5 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश है।''

नडेला ने इसे एशिया में माइक्रोसॉफ्ट का सबसे बड़ा निवेश बताया।

माइक्रोसॉफ्ट के चेयरमैन ने देश भर में कंपनी के 'क्लाउड नेटवर्क' के तेजी से विस्तार पर जोर दिया। उन्होंने कहा, ''हम 'एज्यूर' को विश्व के कंप्यूटर के रूप में विकसित कर रहे हैं और हमारे पास दुनिया भर में 70 से अधिक डेटा सेंटर क्षेत्र हैं। भारत में हमारी उपस्थिति लगातार बढ़ रही है। अब हमारे पास मध्य भारत, पश्चिम भारत, दक्षिण भारत में नेटवर्क है और हमने जियो के साथ भी साझेदारी की है।''

ईडी ने इस्लामिक स्टेट से जुड़े कट्टरपंथ मामले में चार राज्यों में छापे मारे

मुंबई/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने प्रतिबंधित वैश्विक आतंकवादी संगठन इस्लामिक स्टेट (आईएसआईएस) के एक 'घोर कट्टरपंथी' मॉड्यूल के खिलाफ आतंकवाद वित्तपोषण से जुड़े धन शोधन मामले की जांच के तहत कई राज्यों में छापे मारे। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि सुबह से शुरू हुई छापेमारी में महाराष्ट्र में ठाणे जिले के पडघा-बोरीवली क्षेत्र के गांवों, रत्नागिरी जिले, दिल्ली, कोलकाता और उत्तर प्रदेश के कुछ शहरों में लगभग 40 स्थानों पर तलाशी ली गई। आतंकी समूह आईएसआईएस का यह अड्डा ठाणे के पाडघा गांव में था। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में तलाशी के दौरान ईडी की टीमों को राज्य के आतंकवाद रोधी दस्ते (एटीएस) द्वारा सुरक्षा दी गई जबकि अन्य राज्यों में केंद्रीय सुरक्षा बलों ने सुरक्षा प्रदान की।

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने आरोप लगाया

सरकारी संस्थानों को खत्म करने की साजिश, भारत की आत्मा पर आघात है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि सरकारी संस्थानों को खत्म करने की गहरी साजिश के तहत उनकी स्थिति खराब की जा रही है, जो भारत की आत्मा पर आघात है।

कांग्रेस नेता ने भारत प्रतिरक्षा और जैविक निगम लिमिटेड (बीआईबीसीओएल) के कर्मचारियों के प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात का वीडियो साझा करते हुए कहा कि राजग सरकार की निजीकरण की नीति भारत के लिए बहुत बड़ा अभिशाप बन गया है।

उत्तर प्रदेश के रायबरेली से सांसद राहुल गांधी ने अपने अपने व्हाट्सएप चैनल पर पोस्ट किया, ''सरकारी संस्थाओं का दमन और उनका निजीकरण आज राजग सरकार की सबसे बड़ी गलती है, और यह भारत के लिए एक बहुत बड़ा अभिशाप बन गया है।'' उन्होंने कहा, ''अभी कुछ दिनों पहले जनसंसद में भारत प्रतिरक्षा और जैविक निगम लिमिटेड (बीआईबीसीओएल) के कर्मचारियों के प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात हुई। उन्होंने जो हालात बताए, वो सुनकर आप सिर्फ हैरान नहीं होंगे, स्तब्ध रह जाएंगे।''

राहुल गांधी ने दावा किया कि इस सरकारी कंपनी के कर्मचारियों को वर्षों से वेतन नहीं मिला है तथा घर का खर्च चलाने के लिए वे कर्ज, उधार आदि पर निर्भर हैं। उन्होंने कहा कि यह वही बीआईबीसीओएल है, जो भारत में टीका बनाने वाली एकमात्र सरकारी कंपनी है, तथा जिसने पोलियो जैसी भयंकर बीमारी के उन्मूलन में ऐतिहासिक योगदान दिया। कांग्रेस अध्यक्ष रह चुके राहुल ने कहा, ''सरकार को कम कीमत पर टीका उपलब्ध कराने और हर बच्चे तक उसकी पहुंच सुनिश्चित करने में इसकी भूमिका निर्णायक रही है। लेकिन 2017 तक मुनाफ़े में चल रही इस कंपनी को जानबूझकर, योजनाबद्ध तरीक़े से घाटे में बदल दिया गया।''

उनका दावा है कि कंपनी को इस स्थिति में पहुंचाया गया ताकि सरकारी ठेका निजी कंपनियों को सौंपे जा सकें, निजी कंपनियां महंगे दाम पर टीका बेचकर भारी मुनाफा कमाएं, उसकी कीमत आपकी जेब से निकाली जाए और एक दिन बीआईबीसीओएल को नुकसान के नाम पर बंद कर इसकी संपत्ति मुफ्त या सस्ते दामों में पूंजीपति मित्रों में बांट दी जाए।

भारतीय दूत ने सुरक्षा परिषद में कहा

तालिबान के साथ व्यवहारिक संबंध कायम करने का पक्षधर भारत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

संयुक्त राष्ट्र/भाषा। भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को बताया है कि वह तालिबान के साथ व्यावहारिक संबंध कायम करने का पक्षधर है, क्योंकि केवल दंडात्मक कदमों पर ध्यान केंद्रित करने से पुराने दृष्टिकोण को बढ़ावा मिलेगा।

अफगानिस्तान की स्थिति पर बुधवार को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक में भारत के स्थायी प्रतिनिधि, राजदूत पार्वथनेनी हरीश ने कहा, भारत संयुक्त राष्ट्र और अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अपील करता है कि वह ऐसे नीतिगत कदम उठाए, जिनसे अफगानिस्तान के लोगों को स्थायी लाभ पाने में मदद मिले। उन्होंने कहा, भारत तालिबान के साथ व्यावहारिक संबंध कायम करने का पक्षधर है। संबंधों को लेकर एक स्पष्ट नीति से सकारात्मक कदमों को बढ़ावा मिलना चाहिए। केवल दंडात्मक कदम उठाने पर ध्यान केंद्रित करने से पुराना दृष्टिकोण जारी रहेगा। पिछले साढ़े चार साल से हम ऐसा दृष्टिकोण देखते आ रहे हैं। उन्होंने अफगानिस्तान के लोगों की विकास संबंधी जरूरतों को पूरा करने के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को दोहराया।

हरीश ने कहा कि काबुल में दिल्ली के तकनीकी मिशन का दूतावास का दर्जा बहाल करने का भारत सरकार का हालिया निर्णय इस संकल्प को मजबूती से दर्शाता है। उन्होंने कहा, हम सभी संबंधित पक्षों के साथ अपने संबंध बनाए रखेंगे ताकि अफगानिस्तान के समग्र विकास, मानवीय सहायता और दक्षता विकास पहल में अपना योगदान बढ़ा सकें, जो अफगान समाज की प्राथमिकताओं और आकांक्षाओं के अनुरूप हो।

अक्टूबर में अफगान विदेश मंत्री आमिर खान मुत्तकी छह दिवसीय यात्रा पर नई दिल्ली आए थे।

बेंगलूरु केक शो

बेंगलूरु में आर्ट विद टेक्नोलॉजी थीम पर आधारित केक डिस्प्ले, 51वें वार्षिक बेंगलूरु केक शो का मुख्य आकर्षण रहेगा, जो 21 दिसंबर से बेंगलूरु के पैलेस ग्राउंड में शुरू होगा।

टोरेंट समूह के मानद चेयरमैन का स्नातकों से आत्म-निर्भर बनने, बड़े सपने देखने का आह्वान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गांधीनगर/भाषा। टोरेंट समूह के मानद चेयरमैन सुधीर मेहता ने बृहस्पतिवार को स्नातकों से आत्म-निर्भरता, बड़े सपनों और मजबूत मूल्यों को जीवन के मार्गदर्शक सिद्धांत बनाने का आह्वान किया। मेहता ने यहां 'पंडित दीनदयाल एनर्जी यूनिवर्सिटी' (पीडीईयू) के दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि वर्ष 2007 में स्थापित यह संस्थान आज एक अंतरराष्ट्रीय ख्याति-प्राप्त बहुविषयक संस्थान बन गया है। यह भारत का एकमात्र व्यापक ऊर्जा संस्थान है, जो अब 22 देशों के छात्रों को आकर्षित करता है। उन्होंने युवाओं से आत्म-निर्भरता को व्यक्तिगत आदर्श बनाने का आह्वान करते हुए कहा कि उन्हें 'विकसित भारत' के लिए नवाचार और राष्ट्रीय जरूरतों को पूरा करने में योगदान देना चाहिए।

मेहता ने छात्रों को बड़ा सोचने के लिए भी प्रेरित किया और समूह की दवा कंपनी टोरेंट फार्मा के वैश्विक विस्तार एवं समूह की ऊर्जा परियोजनाओं का उदाहरण दिया। मेहता ने कहा, प्रौद्योगिकी में बदलाव, जलवायु चुनौतियां, बदलते भू-राजनीतिक परिदृश्य और द्विपक्षीय समीकरण आज वैश्विक बाजारों को गतिशील एवं अप्रत्याशित बना रहे हैं। उन्होंने अपने दिवंगत पिता उत्तमभाई एन मेहता को याद करते हुए कहा कि उन्होंने भारत में सस्ती और गुणवत्तापूर्ण दवाइयां उपलब्ध कराने के मकसद से टोरेंट फार्मा की नींव रखी थी। आज टोरेंट फार्मा भारत की दूसरी सबसे बड़ी दवा कंपनी बन चुकी है और उसकी करीब 50 देशों में उपस्थिति है। इसके अलावा टोरेंट समूह अपनी कंपनियों टोरेंट पावर और टोरेंट गैस के जरिये देश की प्रमुख बिजली कंपनियों में भी शामिल हो चुका है।

मेहता ने पीडीईयू के छात्रों से कहा, बड़े सपने देखें और अपनी महत्वाकांक्षाओं को साकार करने की भूख रखें। विज्ञान और प्रौद्योगिकी को रचनात्मक कल्पना के साथ जोड़कर समाज के लिए नवाचार करें और जीवन की गुणवत्ता बढ़ाएं।

भारत में भी सिंगापुर के बैंकों की तर्ज पर हो डिजिटल लेन-देन: भाजपा सांसद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भाजपा के एक सांसद ने 'डिजिटल अरेस्ट' के कारण बुजुर्गों की आर्थिक सुरक्षा को गंभीर खतरा पैदा होने का उल्लेख करते हुए बृहस्पतिवार को लोकसभा में कहा कि बैंकिंग प्रणाली के तहत होने वाले डिजिटल लेन-देन में सिंगापुर के बैंकों की तर्ज पर सुरक्षा उपाय किये जाएं।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बृजमोहन अग्रवाल ने शून्यकाल के दौरान कहा कि मुख्य मुद्दा डिजिटल माध्यम से पैसों के हस्तांतरण की 'स्पीड' है। उन्होंने कहा कि सिंगापुर के बैंक 'मनी लॉक' प्रणाली और 'कूलिंग ऑफ पीरियड' (एक निश्चित अवधि के लिए रकम के हस्तांतरण को रोक देना) का इस्तेमाल करते हैं। उन्होंने कहा, ''अगर किसी खाते में जमा राशि की आधी से ज्यादा रकम अंतरित करने की कोई कोशिश करता है तो उक्त राशि के अंतरण को 12 से 24 घंटे के लिए रोक दिया जाता है।''

अग्रवाल ने भारत में बैंकिंग प्रणाली के तहत होने वाले डिजिटल लेन-देन में, इसी तर्ज पर सुधार करने की मांग की।

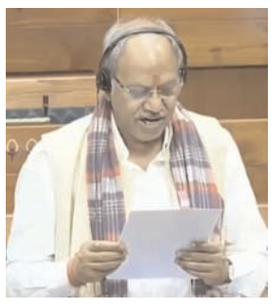

भाकपा (माले) लिबरेशन के राजाराम सिंह ने भारतमाला परियोजना, ग्रीन कॉरिडोर, औद्योगिक गलियारा परियोजनाओं के लिए बड़े पैमाने पर किसानों की जमीन का अधिग्रहण किये जाने पर चिंता जताते हुए कहा कि भूमि अधिग्रहण से जुड़े 2013 के कानून का अनुपालन नहीं हो रहा है। उन्होंने कहा, ''जहां कहीं भी इन परियोजनाओं के तहत भूमि अधिग्रहण किया जा रहा है, 2013 के कानून के तहत किसानों को मुआवजा मिले।''

उन्होंने बड़े पैमाने पर हो रहे भूमि अधिग्रहण को ध्यान में रखते हुए, राष्ट्रीय स्तर पर खाद्य सुरक्षा की दृष्टि से इसकी समीक्षा करने की भी मांग करते हुए कहा, ''देश में आबादी बढ़ रही है, खेती की जमीन घट रही है। इस दृष्टिकोण से भी सरकार को कभी-कभी इसकी समीक्षा करना चाहिए।''

समाजवादी पार्टी (सपा) के देवेश शाक्य ने उत्तर प्रदेश में शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) की अनिवार्यता समाप्त करने की मांग की। उन्होंने टीईटी उत्तीर्ण करने वाले 69,000 शिक्षकों को प्रदेश में जल्द से जल्द नौकरी देने की भी मांग की।

भाजपा के जगदंबिका पाल ने कहा कि कोविड महामारी के दौरान चौबीसों घंटे रेलवे मालगोदाम को खाली करने और पूरे देश में खाद्यान्न पहुंचाने का काम करने वाले श्रमिक को रेलवे अपना श्रमिक नहीं मानता। उन्होंने इन श्रमिकों की सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए महाराष्ट्र के माथाडी बोर्ड की तर्ज पर मालगोदाम श्रमिकों के हितों की रक्षा के लिए एक बोर्ड का गठन करने की मांग की। भाजपा के दिलीप सैकिया ने अपने निर्वाचन क्षेत्र में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय का क्षेत्रीय परिसर शीघ्र खोलने और राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) स्थापित करने की मांग की। कांग्रेस सदस्य के. सुरेश ने कहा कि केरल में किसान यूरिया और पोटाश की कमी का सामना कर रहे हैं। उन्होंने सरकार से इसकी पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करने की मांग की।

द्रमुक की टी. सुमति ने तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री एम. करूणानिधि के योगदान को ध्यान में रखते हुए उन्हें सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'भारत रत्न' देने की मांग की। तृणमूल कांग्रेस के कालीपद सरेन खेरवाल ने सरना धर्म का पालन करने वाली संथाल जनजाति के लिए एक अलग धार्मिक संहिता बनाने की मांग की।

भ्रामक सूचनाएं फैला रहे आतंकी ढांचे से जुड़े लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी: मनोज सिन्हा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जम्मू/भाषा। जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने बृहस्पतिवार को कहा कि कमजोर पड़ते आतंकी नेटवर्क से जुड़े कुछ तत्व देश के खिलाफ भ्रामक व नकारात्मक बातें फैलाने का प्रयास कर रहे हैं और ऐसे लोगों के खिलाफ कानून के तहत कड़ी कार्रवाई की जाएगी। सिन्हा ने कहा कि जम्मू कश्मीर में आतंकवादियों, अलगाववादियों और उनके संरक्षकों को अब सरकारी नौकरियां नहीं मिलती, बल्कि उनकी पहचान कर उनके कृत्यों के लिए उन्हें कड़ी सजा दी जाती है।

उपराज्यपाल ने कहा, कमजोर पड़ रहे आतंकी नेटवर्क से जुड़े कुछ

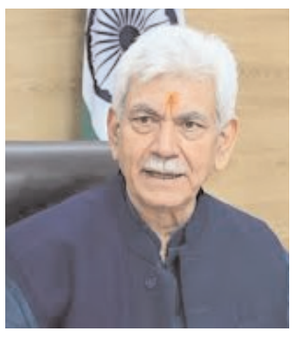

तत्व देश के खिलाफ भ्रामक सूचना या नकारात्मक बातें फैलाने की कोशिश कर रहे हैं। हम देश के स्थापित कानूनी तंत्र के तहत ऐसे तत्वों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करेंगे। उन्होंने ये टिप्पणियां जम्मू मंडल में आतंकवाद के पीड़ितों के 41 परिजनों को नियुक्ति पत्र सौंपते हुए कीं। आयु में छूट के मामलों के 22 लाभार्थियों और अनुकंपा नियुक्ति नियमों और पुनर्वास सहायता योजना के तहत पुलिस के शहीदों के 19 आश्रितों को भी नियुक्ति पत्र दिए गए। उन्होंने कहा, अनुच्छेद 370 को निरस्त करने से जम्मू कश्मीर में एक बड़ा बदलाव आया है। अब आतंकवादियों, अलगाववादियों और उनके संरक्षकों को सरकारी नौकरियां नहीं मिलतीं, बल्कि उनकी पहचान करके उनके कृत्यों के लिए उन्हें कड़ी सजा दी जाती है।

एलजी ने आगे कहा कि हमने शांति को पैसे से हासिल नहीं किया, बल्कि उसे स्थायी रूप से स्थापित किया है। उन्होंने कहा कि जो लोग अलगाववाद को बढ़ावा दे रहे हैं और राष्ट्रीय एकता को खतरे में डाल रहे हैं उनके खिलाफ कानून के तहत कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

यूरोपीय संघ के साथ एफटीए को अंतिम रूप देने में आ रही बाधाएं दूर कर लेंगे : गोयल

मुंबई/भाषा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने यूरोपीय संघ के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को अंतिम रूप देने में आने वाली बाधाओं को दूर करने का भरोसा जताया। गोयल ने समझौते पर हस्ताक्षर होने की कोई संभावित समयसीमा न बताते हुए कहा कि इटली जैसे देश भारत को अपनी शराब एवं मोटर वाहन निर्यात कर सकेंगे और इसके बदले में भारत 27 देशों के इस समूह को व्हिस्की, वस्त्र एवं मोटर वाहन कलपुर्जे निर्यात कर सकेगा। गोयल ने इस सप्ताह की शुरुआत में यूरोपीय संघ के प्रतिनिधियों के साथ हुई अपनी चर्चाओं का हवाला देते हुए कहा, ''हमें भरोसा है। हालांकि कुछ मुद्दे हैं जिन पर हमें अब भी सहमति बनानी है। मुझे पूरा विश्वास है कि हम इसे सफलतापूर्वक पूरा कर लेंगे।'' मंत्री ने कहा कि दोनों पक्षों के वार्ताकार दल एक अच्छा समझौता कराने के लिए अपनी पूरी कोशिश कर रहे हैं और कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं।

सार्वजनिक बैंकों की भर्ती परीक्षाओं, नतीजों की घोषणा के नए प्रावधान लागू : वित्त मंत्रालय

नई दिल्ली/भाषा। वित्त मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में भर्ती के लिए होने वाली परीक्षाओं और उनके परिणाम घोषित करने की प्रक्रिया को अधिक सुव्यवस्थित और पारदर्शी बनाने के लिए व्यापक सुधारात्मक कदम उठाए गए हैं। मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि ये सुधार भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), राष्ट्रीयकृत बैंकों और क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों (आरआरबी) की भर्ती प्रक्रिया पर समान रूप से लागू होंगे। वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवाएं विभाग (डीएफएस) ने कहा कि वर्तमान में इन सभी श्रेणियों के बैंकों में भर्ती आईबीपीएस (इंस्टीट्यूट ऑफ बैंकिंग पर्सनिल सेलेक्शन) के माध्यम से की जाती है। सामान्यतः आरआरबी की परीक्षाएं पहले आयोजित होती हैं और राष्ट्रीयकृत बैंकों एवं एसबीआई की परीक्षाएं उसके बाद होती हैं। परिणाम भी इसी क्रम में घोषित किए जाते हैं।

वंदे मातरम् को वह सम्मान एवं स्थान नहीं मिला, जो उसे मिलना चाहिए : भाजपा अध्यक्ष नड्डा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राज्यसभा में बृहस्पतिवार को सदन के नेता एवं भाजपा अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने दावा किया कि राष्ट्र गीत वंदे मातरम् को वह सम्मान एवं स्थान नहीं मिला जो उसे मिलना चाहिए तथा देश को संकल्प लेना चाहिए कि इसे वही दर्जा मिले जो राष्ट्र गान या राष्ट्रीय ध्वज को मिला है।

राष्ट्रगीत वंदे मातरम् के 150 वर्ष होने पर उच्च सदन में हुई चर्चा के अंत में सदन के नेता नड्डा ने कहा कि पिछले दो दिन में 80 से अधिक सदस्यों ने इस चर्चा में भाग लिया, जो बताता है कि यह विषय कितना सम-सामायिक है। उन्होंने कहा कि वंदे मातरम् देश की आत्मा को जगाने का मंत्र है। उन्होंने कहा कि यह गीत आजादी के आंदोलन के दौरान बहुत सी घटनाओं का गवाह रहा है। उन्होंने कहा कि यह गीत मां भारती की आराधना है। उन्होंने कहा कि ब्रिटिश शासक जब देश में अपना राष्ट्र गीत थोपना चाहते थे, उस समय बंकिम चंद्र चटर्जी ने वंदे मातरम् गीत लिखकर पूरे भारत को जागृत कर दिया। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि यह गीत रूपी मंत्र इतना कारगर साबित हुआ कि ब्रिटिश शासकों ने इस पर प्रतिबंध लगा दिया और जो कोई इसे गाता था उसे जेल के सीखचों के पीछे भेज दिया जाता था। वी डी सावरकर को जिन आरोपों में दो उम्रकैद की सजा पर काला पानी भेजा गया, उनमें वंदे मातरम् के नारे लगाना शामिल था।

पिछले दो वर्षों में विमानों के जीपीएस में हस्तक्षेप के 1,951 मामले सामने आए : सरकार

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने बृहस्पतिवार को बताया कि नवंबर 2023 से लेकर दो वर्षों के दौरान विमानों की जीपीएस प्रणाली में हस्तक्षेप से जुड़ी कुल 1,951 घटनाएं दर्ज की गई हैं। हाल के दिनों में, दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, अमृतसर, हैदराबाद, बेंगलुरु और चेन्नई हवाई अड्डों पर 'जीपीएस स्पूफिंग' और हस्तक्षेप की घटनाएं सामने आई हैं।

विमान को नकली लोकेशन दिखाकर उसके रास्ते से भटकाने या गुमराह करने को 'जीपीएस स्पूफिंग' कहा जाता है। नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल ने लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में कहा कि हवाई क्षेत्र में वैश्विक नौवहन उपग्रह प्रणाली (जीएनएसएस) में हस्तक्षेप के संबंध में नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) द्वारा 24 नवंबर, 2023 को जारी परामर्श परिपत्र के बाद से इसकी रिपोर्टिंग शुरू हुई।

लूथरा बंधुओं को जल्द से जल्द भारत वापस लाया जाएगा : मुख्यमंत्री सावंत

पणजी/भाषा। गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने बृहस्पतिवार को कहा कि 'बर्च बाय रोमियो लेन' नाइट क्लब के सह-मालिक सौरभ लूथरा और गौरव लूथरा को थाईलैंड से जल्द से जल्द भारत वापस लाया जाएगा। सावंत ने कहा कि गोवा पुलिस और सीबीआई की टीम इस मामले के मुख्य आरोपी लूथरा बंधुओं को ''जितनी जल्दी हो सके'' भारत वापस लाएगी।

छह दिसंबर को 'बर्च बाय रोमियो लेन' नाइट क्लब में आग लगने से 25 लोगों की मौत हो गई थी। इस हादसे के तुरंत बाद लूथरा बंधु थाईलैंड के फुकेत भाग गए थे। सावंत ने यहां पत्रकारों को बताया कि नाइट क्लब में आग लगने के मामले में एक स्थानीय पंचायत अधिकारी को भी गिरफ्तार किया जाएगा क्योंकि वह जांच में सहयोग नहीं कर रहा है। मुख्यमंत्री ने थाईलैंड में आरोपियों का पता लगाने की प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए केंद्रीय गृह मंत्रालय और विदेश मंत्रालय को धन्यवाद दिया। सावंत ने बताया कि गोवा पुलिस ने लूथरा बंधुओं के लिए 'लुकआउट सर्कुलर' जारी किया, साथ ही 'इंटरपोल ब्लू कॉर्नर' नोटिस भी जारी किया गया और क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय से उनके पासपोर्ट रद्द करने का अनुरोध किया गया है। उन्होंने कहा कि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो, इसके लिए सभी आवश्यक प्रयास किए जा रहे हैं।

सिर्फ तकनीकी नवाचारों को ही नहीं, सामाजिक नवप्रवर्तकों को भी सम्मान मिले : सुधा मूर्ति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राज्यसभा में नाम निर्देशित सदस्य सुधा मूर्ति ने बृहस्पतिवार को सामाजिक नवप्रवर्तकों को भी पहचान और सम्मान देने की पुरजोर वकालत की। उन्होंने कहा कि तकनीकी उपलब्धियों को जहां व्यापक सराहना मिलती है, वहीं रोजमर्रा की समस्याओं के समाधान देने वाले नवाचारों को अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है।

उच्च सदन में शून्यकाल के दौरान यह मुद्दा उठाते हुए सुधा मूर्ति ने कहा कि इडली ग्राइंडर जैसे नवाचारों ने लोगों, विशेषकर महिलाओं के जीवन में बड़ा परिवर्तन किया है, लेकिन ऐसे आविष्कारकों को भुला दिया गया है। उन्होंने कहा, तकनीकी नवाचार करने पर आपकी उपलब्धियों का सम्मान होता है, पुरस्कार मिलते हैं, लोग तालियां बजाते हैं, लेकिन अन्य उपलब्धियों के लिए लोग ध्यान भी नहीं देते। मूर्ति ने वैश्विक उदाहरणों का उल्लेख करते हुए जापानी आविष्कारक का जिक्र किया, जिसने क्यूआर कोड बनाया और उसका पेटेंट नहीं कराया, ताकि दुनिया भर में इसका मुक्त उपयोग हो सके। सदस्य ने कहा, उन्होंने इसे मुफ्त रखने की बात कही। आज हमारी और वैश्विक अर्थव्यवस्था बहुत अच्छी तरह चल रही है। लेकिन जापानी आविष्कारक ने यह काम 'बहुजन हिताय, बहुजन सुखाय' की भावना से किया। नाम निर्देशित सदस्य ने बताया कि सरकार ने विभिन्न श्रेणियों में कई पुरस्कार शुरू किए हैंकॉपरेट कार्य विभाग से लेकर वाणिज्य व उद्योग विभाग के तकनीकी पुरस्कार तक, लेकिन सामाजिक नवाचार के लिए कोई विशेष पुरस्कार श्रेणी नहीं है।

कांग्रेस नेता का वीडियो साझा कर रमेश ने कहा : नेहरू पर अमित शाह के ''झूठ'' का पर्दाफाश हुआ

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने पार्टी के एक नेता का वीडियो साझा कर दावा किया कि गृह मंत्री अमित शाह के इस ''झूठ'' का पर्दाफाश हो गया है कि कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए हुए मतदान में हारने के बावजूद पंडित जवाहरलाल नेहरू देश के प्रधानमंत्री बन गए थे। रमेश ने कांग्रेस नेता पीयूष बबेले का जो वीडियो साझा किया कि उसमें कहा गया है कि 1946 में कांग्रेस अध्यक्ष चुनने के लिए पार्टी की कार्य समिति में कोई मतदान नहीं हुआ था, क्योंकि उस वक्त भारत बंटवारे की परिस्थिति और दंगों की चुनौती से जूझ रहा था तथा महात्मा गांधी ने नेहरू का चयन किया था और इसमें सरदार पटेल की भी सहमति थी। कांग्रेस महासचिव ने यह वीडियो साझा करते हुए 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''मेरे साथी पीयूष बबेले ने कल लोकसभा में गृह मंत्री के कई झूठों में से एक झूठ का पूरी तरह पर्दाफाश कर दिया।''

निर्वाचन आयोग ने छह राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश में एसआईआर के लिए समयसीमा बढ़ायी

नई दिल्ली/भाषा। निर्वाचन आयोग ने बृहस्पतिवार को छह राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की समयसीमा बढ़ा दी। संबंधित मुख्य निर्वाचन अधिकारियों के अनुरोध पर यह कदम उठाया गया है।

एक बयान के मुताबिक, निर्वाचन आयोग ने तमिलनाडु, गुजरात, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह और उत्तर प्रदेश में एसआईआर के लिए संशोधित कार्यक्रम जारी किया।

इन छह राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश के लिए गणना प्रपत्र की अवधि बृहस्पतिवार को समाप्त होनी थी और मतदाता सूचियों का मसौदा 16 दिसंबर को प्रकाशित किया जाना था। बयान में कहा गया है कि तमिलनाडु और गुजरात के लिए एसआईआर प्रक्रिया की अवधि 14 दिसंबर तक बढ़ा दी गई है और मतदाता सूची का मसौदा 19 दिसंबर को प्रकाशित किया जाएगा। मप्र, छत्तीसगढ़ और अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह के लिए ये अवधि 18 दिसंबर तक बढ़ा दी गई है और मतदाता सूची का मसौदा 23 दिसंबर को प्रकाशित किया जाएगा। उप्र के लिए एसआईआर की अवधि 26 दिसंबर तक बढ़ा दी गई है और मतदाता सूची का मसौदा 31 दिसंबर को प्रकाशित किया जाएगा। बयान के अनुसार, गोवा, पुडुचेरी, लक्षद्वीप, राजस्थान और पश्चिम बंगाल में एसआईआर बृहस्पतिवार को समाप्त हो जाएगी और मतदाता सूची का मसौदा 16 दिसंबर को प्रकाशित किया जाएगा।

किसी व्यक्ति के अधिकार हमेशा राष्ट्र के हित के अधीन होते हैं : उच्चतम न्यायालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने बृहस्पतिवार को कहा कि किसी व्यक्ति के अधिकार हमेशा राष्ट्र के हित के अधीन होते हैं, और इस बात पर जोर दिया कि संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत दिए गए अधिकारों की हमेशा रक्षा की जानी चाहिए, लेकिन ऐसे मामलों में जहां देश की सुरक्षा या अखंडता का सवाल उठता है, वह जमानत देने का एकमात्र आधार नहीं हो सकता।

न्यायमूर्ति संजय करोल और न्यायमूर्ति एन. कोटिश्वर सिंह की पीठ ने ये टिप्पणियां केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा पश्चिम बंगाल के पश्चिम मिदनापुर जिले में 2010 में ज्ञानेश्वरी एक्सप्रेस के पटरी से उतरने के मामले में कुछ आरोपियों को मिली जमानत के खिलाफ दायर अपील की सुनवाई करते हुए कीं।

मुंबई जा रही ट्रेन झारग्राम के पास पटरी से उतर गई थी और फिर सामने से आ रही एक मालगाड़ी से टकरा गई, जिससे 148 यात्रियों की मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया था कि 28 मई, 2010 को हुई यह दुर्घटना माओवादियों की साजिश का परिणाम थी। यह घटना भाकपा (माओवादी) द्वारा बुलाए गए चार दिवसीय बंद के दौरान हुई थी।

उच्चतम न्यायालय ने कहा कि इस स्तर पर आरोपियों की स्वतंत्रता में हस्तक्षेप करना, विशेषकर तब जब उनके खिलाफ कोई अन्य सबूत न हो, उचित नहीं होगा।

अदालत ने कहा कि सीबीआई उसके संज्ञान में ऐसा कोई घटनाक्रम नहीं ला सकी जिससे यह हस्तक्षेप किसी सार्थक उद्देश्य की पूर्ति साबित कर सके। पीठ ने कहा, ''इस बात में कोई संदेह नहीं है कि अनुच्छेद 21 के अधिकार सर्वोच्च महत्व रखते हैं, और यह उचित भी है। हालांकि, साथ ही, व्यक्ति हमेशा ध्यान का केंद्र नहीं हो सकता।''

उसने कहा, ''कुछ मामले, जैसे कि यह मामला, अपनी प्रकृति और प्रभाव के कारण यह मांग करते हैं कि प्रस्तुत मुद्दे को व्यापक दृष्टिकोण से देखा जाए, यानी राष्ट्रीय सुरक्षा के संदर्भ में। इसलिए हम यह पाते हैं कि अनुच्छेद 21 के अधिकारों की रक्षा तो सर्वथा की जानी चाहिए, लेकिन ऐसे मामलों में जहां राष्ट्र की सुरक्षा या अखंडता का सवाल उठता है, उसे एकमात्र आधार नहीं बनाया जा सकता।''

फर्जी शिकायत करने वालों के खिलाफ कार्रवाई के लिए कानून बनाने की मांग लोकसभा में उठी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। झूठे मुकदमों में फंसाने वाले शिकायतकर्ताओं के खिलाफ कार्रवाई के लिए कानून बनाने, पश्चिमी उत्तर प्रदेश में उच्च न्यायालय की एक पीठ स्थापित करने और हरियाणा में जलभराव और बाढ़ की समस्या से किसानों को हुई क्षति की भरपाई किये जाने की मांग बृहस्पतिवार को लोकसभा में उठाई गई। निचले सदन में शून्यकाल के दौरान भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद रवि किशन ने फर्जी शिकायत करने वालों के खिलाफ कार्रवाई के लिए कानून बनाने की सरकार से मांग की।

रवि किशन ने कहा कि यदि किसी व्यक्ति के खिलाफ की गयी शिकायत झूठी निकलती है तो शिकायतकर्ता को उसके लिए दोषी ठहराया जाना चाहिए और कड़ी से कड़ी सजा दी जानी चाहिए, क्योंकि किसी के झूठ से एक आरोपी व्यक्ति का जीवन परेशानी में पड़ सकता है, उसका पूरा परिवार बिखर सकता है और उसकी सामाजिक प्रतिष्ठा धूमिल हो सकती है, जिसकी भरपाई कतई नहीं की जा सकती। भाजपा सांसद ने कहा कि इतना ही नहीं, फर्जी मुकदमों का

बोझ सरकारी खजाने और न्यायिक व्यवस्था पर भी पड़ता है। उन्होंने कहा कि ऐसे शिकायतकर्ताओं के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के लिए कानूनी प्रावधान किया जाना चाहिए। सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा के इंद्र हांग सुब्बा ने राज्य की उन्नति एवं बेहतर भविष्य के लिए 12 समुदायों को जनजातीय दर्जा दिये जाने की मांग की। समाजवादी पार्टी की रूचि वीरा ने शून्यकाल में मांग उठाई कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश में उच्च न्यायालय की एक पीठ स्थापित की जाए। कांग्रेस सांसद मनोज कुमार ने बिहार में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (एससी/एसटी) पर अत्याचार की घटनाएं बढ़ने का दावा किया। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली एससी/एसटी निगरानी समिति की बैठक पिछले तीन साल से नहीं हुई है। कांग्रेस सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने हरियाणा में जलभराव और बाढ़ से उत्पन्न समस्या का जिक्र करते हुए केंद्र पर आरोप लगाया कि उसने पंजाब, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड को राहत पैकेज तो दिया, लेकिन हरियाणा को कतिपय कारणों से छोड़ दिया। उन्होंने प्रभावित किसानों को 50 हजार रुपये प्रति एकड़ मुआवजा दिये जाने की मांग सरकार से की।

तमिलनाडु के कुलसेकरपट्टिनम से 2027 से रॉकेट प्रक्षेपित किए जाएंगे : इसरो प्रमुख

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुनेलवेली। तमिलनाडु के कुलसेकरपट्टिनम से 2027 से रॉकेटों का प्रक्षेपण किया जाएगा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष वी. नारायणन ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। भारत का दूसरा अंतरिक्ष केंद्र तमिलनाडु के तूतीकोरिन जिले में निर्माणाधीन है, जिसका उपयोग लघु उपग्रह प्रक्षेपण यान (एसएसएलवी) के प्रक्षेपण के लिए किया जाएगा।

नारायणन ने यहां आईएनएस कट्टाबोम्मन बेस पर पत्रकारों से कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2023 में इस परियोजना की शुरुआत की थी। इससे संबंधित सभी कार्य बहुत अच्छी तरह से आगे बढ़ रहे हैं। 2027 की शुरुआत में वहां से रॉकेट प्रक्षेपित किए जाएंगे। सूत्रों ने बताया कि नारायणन, जो अंतरिक्ष विभाग के सचिव और अंतरिक्ष आयोग के अध्यक्ष भी हैं, ने भारतीय नौसेना के महत्वपूर्ण 'वेरी लो फ्रीक्वेंसी' (वीएलएफ) और 'एक्सट्रीमली लो फ्रीक्वेंसी' (ईएलएफ) संचार बेस के अधिकारियों के साथ बंद कमरे में एक बैठक की। नारायणन ने गगनयान मिशन के बारे में कहा कि उसकी प्रगति बहुत अच्छी है। उन्होंने कहा, रॉकेट की डिजाइन, विकास और अन्य प्रारंभिक कार्य बहुत अच्छी तरह से आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने बताया कि क्रू एस्केप सिस्टम', जो किसी भी समस्या की स्थिति में अंतरिक्ष यात्रियों को सुरक्षित वापस लाने में मिशन को सक्षम बनाएगा, सफलतापूर्वक पूरा हो चुका है। नारायणन ने कहा, हमने इसके लिए लगभग 8,000 परीक्षण किए हैं। उनके अनुसार, गगनयात्रियों को 2027 में भेजने की योजना है। इसरो प्रमुख ने कहा, उससे पहले, तीन रॉकेट बिना चालक दल के भेजने की योजना है, और इसके लिए सभी काम जारी हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की परिकल्पना के अनुसार, 2035 से पहले एक अंतरिक्ष स्टेशन स्थापित किया जाएगा। अंतरिक्ष आयोग के अध्यक्ष ने कहा, इसके लिए हम कुल पांच मॉड्यूल की योजना बना रहे हैं। इनमें से पहला मॉड्यूल 2028 में प्रक्षेपित करने की योजना है। इसके लिए मंजूरी पहले ही मिल चुकी है।

तमिलनाडु सरकार ने डीवीएसी निदेशक को प्रभारी डीजीपी नियुक्त किया

चेन्नई। तमिलनाडु सरकार ने सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक विभाग निदेशालय (डीवीएसी) के निदेशक अभय कुमार सिंह को राज्य का कार्यवाहक पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) नियुक्त किया है। मौजूदा डीजीपी जी वेंकटरमन चिकित्सा उपचार के लिए अवकाश पर चले गए हैं। वर्ष 1993 बैच के भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारी अभय कुमार सिंह पुलिस महानिदेशक के पद पर हैं और वे राज्य के लिए प्रभारी और अस्थायी पुलिस प्रमुख होंगे। राज्य सरकार की ओर से 10 दिसंबर को जारी आदेश के अनुसार, डीजीपी वेंकटरमन को चिकित्सा उपचार कराने के लिए नौ से 23 दिसंबर तक अर्जित अवकाश दिया गया है।

श्रद्धासुमन

दक्षिण भारत

क्रांतिकारी तमिल कवि महाकवि सुब्रमण्यम भारती की जयंती पर चेन्नई के कामराज सलाई स्थित मरीना बीच पर बृहस्पतिवार को तमिलनाडु सरकार की ओर से श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए तमिल विकास एवं सूचना मंत्री एम.पी. समिनाथन, हिंदू धर्म एवं बंदोबस्ती मंत्री पी.के. शेखरबाबू, बृहत्तर चेन्नई निगम की महापौर आर. प्रिया, उप महापौर एम. महेश कुमार, तमिल विकास एवं सूचना सचिव वी. राजारमन, आई.ए.बी., तमिल विकास निदेशक डॉ. एन. अरुल, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के अतिरिक्त निदेशक (जनसंपर्क) डॉ. आई. भास्करन आदि।

प्रधानमंत्री मोदी और शीर्ष नेताओं ने महाकवि भारती की 143वीं जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। क्रांतिकारी तमिल कवि महाकवि सुब्रमण्यम भारती की 143वीं जयंती पर बृहस्पतिवार को विभिन्न नेताओं ने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की और पीढ़ियों पर उनके अमिट प्रभाव को याद किया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रतिष्ठित कवि और स्वतंत्रता सेनानी भारती को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि ''भारती की कविताओं ने साहस जगाया और उनके विचारों में अनगिनत लोगों के मन पर अमिट छाप छोड़ने की शक्ति थी। उन्होंने लिखा, भारती ने भारत की सांस्कृतिक और राष्ट्रीय चेतना को प्रज्वलित किया। उन्होंने एक न्यायपूर्ण और समावेशी समाज के निर्माण के लिए प्रयास किया। तमिल साहित्य को समृद्ध बनाने में उनका योगदान भी अतुलनीय है।''

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने भारती को आधुनिक तमिल साहित्य का जनक बताया। शाह ने लिखा, 'औपनिवेशिक सरकार द्वारा किए गए अत्याचारों का सामना करते हुए महाकवि ने क्रांति की लौ जलाये रखा और अपनी जोशीली देशभक्तिपूर्ण कविताओं से स्वतंत्रता आंदोलन को बल दिया।' उन्होंने यह भी कहा कि भारती ने सामाजिक सुधारों के माध्यम से एक निष्पक्ष और न्यायसंगत समाज के निर्माण के भारत के सभ्यतागत लक्ष्य को आगे बढ़ाया। भारती का जन्म 11 दिसंबर 1882 को तूतीकोरिन के एट्टायापुरम में हुआ था।

यह देखते हुए कि महाकवि महिला अधिकारों के प्रबल समर्थक थे, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने कहा कि उनकी द्रविड़ मॉडल सरकार ने न केवल महिलाओं के लिए उच्च शिक्षा सुनिश्चित की है, बल्कि इस योजना का नाम भरथियार की कविता से प्रेरित होकर रखा गया है। मुख्यमंत्री स्टालिन ने कहा, हमने भारती की स्मृति दिवस को 'महाकवि दिवस' के रूप में मनाने की भी घोषणा की है।

अन्नाद्रमुक प्रमुख एडप्पादी के पलानीस्वामी ने कहा कि भारती ने दुनिया को तमिल की महानता से अवगत कराया। पलानीस्वामी ने लिखा, एक मुक्तिवादी विचारक जिन्होंने अपने लेखन के माध्यम से लोगों के दिलों में नारी मुक्ति, समानता, राष्ट्रीय चेतना और भाषाई निष्ठा जैसे महान आदर्शों के बीज बोए और नए विचारों को प्रकाशित किया। द्रमुक सांसद कनिमोझी ने प्रिय तमिल कवि को उनकी 143वीं जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की।

सुब्रमण्यम भारती तमिल संस्कृति की आत्मा हैं : द्रमुक सांसद कनिमोई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) सांसद कनिमोई ने बृहस्पतिवार को कहा कि महाकवि सुब्रमण्यम भारती तमिल संस्कृति के प्रतीक हैं। उन्होंने तमिल कवि को उनकी 143वीं जयंती पर श्रद्धांजलि दी। द्रमुक नेता ने अपने आधिकारिक 'एक्स' अकाउंट पर लिखा, (वह) हमारी भावनाओं में रच बस गए हैं और हमारी चेतना के संसार में हमेशा मौजूदगी बनाए हुए हैं। क्रांतिकारी तमिल कवि और स्वतंत्रता सेनानी का जन्म 11 दिसंबर, 1882 को एट्टायपुरम में हुआ था।

कनिमोई ने कहा, महिलाओं की मुक्ति और जाति-उन्मूलन का गीत गाने वाले, और आधुनिक तमिलों के जेहन में एक अविनाशी विचार-दीप की तरह प्रज्वलित जनकवि (भारती) की जयंती पर आइए हम एक समतामूलक समाज के निर्माण का संकल्प लें।'' भारती अपनी सशक्त तमिल कविताओं और निबंधों के माध्यम से भारतीय राष्ट्रवादी आंदोलन की एक प्रमुख आवाज बनकर उभरे। उनकी कविताओं में स्वतंत्रता, समानता, महिलाओं के अधिकारों और जातिगत भेदभाव के उन्मूलन को बढ़ावा दिया गया था।

लोगों को संघ के बारे में समझाने के लिए व्यापक जन सहभागिता की आवश्यकता : भागवत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुचिरापल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने बुधवार को कहा कि जनता के साथ गहरी संवाद प्रक्रिया होनी चाहिए, क्योंकि संघ की अब तक की यात्रा तथ्यों की तुलना में धारणाओं के माध्यम से फैली है।

संघ प्रमुख ने कहा, इस संदर्भ में, देशभर में नए कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, जिनमें संघ के स्वयंसेवक लोगों से बातचीत करेंगे और इसके बारे में सटीक और तथ्यात्मक रूप से जानकारी साझा करेंगे।

भागवत ने यहां आयोजित कार्यक्रम संघ की 100 वर्ष की यात्रा - नए क्षितिज में यह बात कही। उन्होंने कहा, संगठन ने 100 वर्षों का कार्य पूरा कर लिया है और पिछले 10-15 वर्षों से संघ नियमित चर्चा का विषय भी बन गया है। जब चर्चा होती है, तो एक बात स्पष्ट हो जाती है कि शुभचिंतक भी और विरोधी भी धारणाओं के आधार पर बात करते हैं, न कि तथ्यों के आधार पर।

स्टालिन ने यूएनईपी का 'चैंपियंस ऑफ द अर्थ' पुरस्कार जीतने पर सुप्रिया साहू को बधाई दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने बृहस्पतिवार को पर्यावरण, जलवायु परिवर्तन और वन विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव सुप्रिया साहू को संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) का प्रतिष्ठित पुरस्कार 'चैंपियन्स ऑफ द अर्थ' जीतने पर बधाई दी। मुख्यमंत्री ने एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा, मुझे उम्मीद है कि इस पुरस्कार से उनके कार्यों को प्रोत्साहन मिलेगा। इससे आर्द्रभूमियों का संरक्षण, मैंग्रोव वनक्षेत्र का विस्तार, संकटग्रस्त प्रजातियों का संरक्षण और प्लास्टिक उपयोग में कमी से संबंधित हमारी सरकार की सराहनीय पहलों को मजबूती मिलेगी।

'चैंपियन्स ऑफ द अर्थ' पुरस्कार यूएनईपी का सर्वोच्च पर्यावरण पुरस्कार है, जो हर साल उन व्यक्तियों और संस्थानों को दिया जाता है जिन्होंने पर्यावरण की रक्षा में महत्वपूर्ण और परिवर्तनकारी प्रभाव डाला हो। एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि बुधवार को नैरोबी में आयोजित एक कार्यक्रम में, साहू को भारत में पर्यावरणीय चुनौतियों के सिलसिले में उनके अग्रणी व दीर्घकालिक नेतृत्व के लिए सम्मानित किया गया, जिसमें प्लास्टिक और वन्यजीव संरक्षण जैसे महत्वपूर्ण मुद्दे शामिल हैं।

ट्रॉफी प्रदान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई के एग्मोर स्थित मेयर राधाकृष्णन हॉकी स्टेडियम में गुरुवार को तमिलनाडु खेल विकास प्राधिकरण और हॉकी इंडिया द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित 14वें पुरुष हॉकी जूनियर विश्व कप के फाइनल में जर्मनी की विजेता टीम को ट्रॉफी प्रदान करते हुए उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन। इस अवसर पर बिहार राज्य की खेल मंत्री श्रेयासी सिंह, युवा कल्याण एवं खेल विकास विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. अतुल्या मिश्रा, तमिलनाडु खेल विकास प्राधिकरण के सदस्य सचिव जे. मेघनाथ रेड्डी, भारतीय हॉकी महासंघ के अध्यक्ष दत्तो दयाप इकराम, भारतीय हॉकी संघ के अध्यक्ष दिलीप तिर्की, सचिव भोलानाथ सिंह, कोषाध्यक्ष शेखर जे. मनोहरन, महानिदेशक कमांडर आर.के. श्रीवास्तव, हॉकी संघ के अधिकारी, हॉकी खिलाड़ी और उच्च सरकारी अधिकारी उपस्थित थे।

पीएमके ने टीवीके को जाति आधारित जनगणना आंदोलन में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया

चेन्नई। अंबुमणि रामदास के नेतृत्व वाली पट्टाली मक्कल काची (पीएमके) ने अभिनेता विजय की तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) को तमिलनाडु में जाति आधारित जनगणना की मांग को लेकर आंदोलन में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया, जिससे दोनों पार्टियों के बीच गठबंधन की अटकलें तेज हो गईं। के बालू के नेतृत्व में एक पीएमके प्रतिनिधिमंडल ने यहां टीवीके के वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात कर 17 दिसंबर को प्रस्तावित राज्यव्यापी आंदोलन में भाग लेने का निमंत्रण दिया।

बालू ने संवाददाताओं से कहा, ''गठबंधन पर निर्णय हमारे नेता करेंगे। गठन के बाद से ही टीवीके जाति जनगणना पर जोर देती रही है। पीएमके भी साक्ष्य-आधारित आरक्षण के लिए राज्यभर में जातिगत जनगणना की मांग कर रही है।'' उन्होंने कहा कि आंदोलन में शामिल होने के लिए पीएमके ने सत्तारूढ़ द्रमुक के सहयोगियों सहित कई राजनीतिक दलों को आमंत्रित किया है। उन्होंने दावा किया, हमने द्रमुक को नहीं बुलाया है क्योंकि वह इस प्रकार की जनगणना के खिलाफ प्रतीत होती है। मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने विधानसभा में कहा था कि जाति आधारित जनगणना केवल केंद्र को करानी चाहिए। इस बीच, अंबुमणि ने अगले वर्ष होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए टिकट के इच्छुक पार्टी कार्यकर्ताओं से आवेदन आमंत्रित किए हैं। उन्होंने कहा कि आवेदन 14 से 20 दिसंबर के बीच जमा किए जा सकते हैं।

रामलिंगम हत्याकांड में गिरफ्तार पांच लोगों में दो घोषित अपराधी : एनआईए

पीएफआई ने इस हमले की रची थी साजिश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/नई दिल्ली। तमिलनाडु में जबरन धर्मांतरण का विरोध करने को लेकर 2019 में पीएमके कार्यकर्ता रामलिंगम की हत्या के सिलसिले में दो घोषित अपराधियों सहित पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है। एनआईए ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पट्टाली मक्कल काची (पीएमके) के एक कार्यकर्ता की पांच फरवरी 2019 को तंजावुर के पाकु विनायकम थोप्पू में कथित तौर पर प्रतिबंधित पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) के सदस्यों और पदाधिकारियों ने बेरहमी से हत्या कर दी गई थी। पीएफआई ने इस हमले की साजिश रची थी।

राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने एक बयान में कहा कि घोषित अपराधी मोहम्मद बुरहानुद्दीन और मोहम्मद नबील हसन लगभग सात वर्षों से फरार थे। बयान में कहा गया है कि दोनों तमिलनाडु के तंजावुर के निवासी हैं और उन्हें वेल्लोर जिले के पल्लिकोंडा से सहयोगी एजेंसियों से प्राप्त सूचनाओं के आधार पर गिरफ्तार किया गया था। एनआईए ने आरोप लगाया कि दोनों ने मिलकर कई अन्य लोगों के साथ साजिश रची और आपस में मिलकर रामलिंगम की हत्या कर दी, जिसमें उनके हाथ काटना भी शामिल था।

बुरहानुद्दीन और हसन की गिरफ्तारी के बाद एनआईए ने उन्हें शरण देने वाले तीन और लोगों को भी पकड़ लिया। केंद्रीय एजेंसी ने कहा, चेन्नई जिले के रहने वाले के मोहिदीन, मोहम्मद इमरान और थमीम अंसारी हत्या के बाद फरार आरोपियों को छिपाने और उनके आवागमन में सहायता करने के लिए जिम्मेदार पाए गए हैं। एनआईए ने सात मार्च 2019 को तमिलनाडु पुलिस से यह मामला अपने हाथ में लिया और अगस्त 2019 में आरोप पत्र दाखिल किया। बाद में छह आरोपियों को भगोड़ा घोषित कर दिया गया और उनकी गिरफ्तारी पर पांच लाख रुपये का इनाम घोषित किया गया। अब तक उनमें से पांच को गिरफ्तार किया जा चुका है, जबकि मोहम्मद अली जिन्ना अभी भी फरार है।

सबरीमला मंडल पूजा के लिए डिजिटल कतार बुकिंग शुरू हुई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पथनमथिट्टा/भाषा। सबरीमला मंडल पूजा के लिए डिजिटल कतार बुकिंग बृहस्पतिवार शाम से शुरू होगी। टीडीबी ने यह जानकारी दी। त्रावणकोर देवस्वओम बोर्ड (टीडीबी) के अनुसार, डिजिटल बुकिंग शाम पांच बजे से शुरू होगी। टीडीबी ने एक विज्ञप्ति में कहा कि सबरीमला ऑनलाइन वेबसाइट के माध्यम से 26 और 27 दिसंबर को दर्शन के लिए 'डिजिटल कतार स्लॉट' बुक किए जा सकते हैं।

डिजिटल कतार के माध्यम से 26 दिसंबर को कुल 30,000 श्रद्धालुओं को दर्शन की अनुमति दी जाएगी और 27 दिसंबर को 35,000 श्रद्धालु दर्शन कर सकेंगे। इसके अतिरिक्त, टीडीबी ने बताया कि 'स्पॉट बुकिंग' के माध्यम से प्रतिदिन 5,000 श्रद्धालुओं को प्रवेश की अनुमति दी जाएगी। सोलह नवंबर को शुरू हुआ मंडला-मकरविलकु सीजन जनवरी 2026 में समाप्त होगा। वर्तमान तीर्थयात्रा सीजन में प्रतिदिन 70,000 से अधिक श्रद्धालु इस पहाड़ी मंदिर में दर्शन के लिए आते हैं। केरल उच्च न्यायालय ने टीडीबी को सबरीमला में भीड़ को देखते हुए 'स्पॉट बुकिंग' को सीमित करने सहित सख्त भीड़ प्रबंधन उपायों को लागू करने का निर्देश दिया था।

सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश के लिए उदार लाइसेंसिंग से परहेज करे सरकार : कार्ति चिदंबरम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद कार्ति चिदंबरम ने देश में सड़क दुर्घटनाओं की बढ़ती संख्या के मद्देनजर लाइसेंस आवेदकों की कड़ी परीक्षा लेने एवं लाइसेंस देने की प्रणाली को अधिक उदार न बनाने का सुझाव सरकार को दिया है। कार्ति चिदंबरम ने लोकसभा में शून्यकाल के दौरान कहा कि देश में हर साल करीब एक लाख 72 हजार लोग सड़क दुर्घटना के शिकार होते हैं अर्थात् प्रतिदिन कम से कम 461 लोग मारे जाते हैं।

इन दुर्घटनाओं की मुख्य वजहों में एक वजह चालकों में 'ड्राइविंग कौशल' का अभाव है। उन्होंने अपने संसदीय क्षेत्र में एक हालिया दुर्घटना का जिक्र करते हुए कहा कि ऐसी दुर्घटनाओं पर रोक के लिए लाइसेंस देने की प्रणाली को अधिक उदार न बनाया जाए। कांग्रेस सदस्य ने सड़क एवं परिवहन मंत्रालय को सुझाव दिया कि लाइसेंस प्रदान करने से पहले आवेदकों के कड़े इम्तेहान लिये जाएं।

राष्ट्रीय आदिवासी छात्र शिक्षा समिति (एनईएसटीएस)
(जनजातीय कार्य मंत्रालय के अंतर्गत एक स्वायत्त संस्थान), भारत सरकार
गेट नं. 5, जीवन तारा बिल्डिंग, पार्लियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली-110001

अधिसूचना

एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय स्टाफ चयन परीक्षा (ईएसएसई) - 2025

राष्ट्रीय आदिवासी छात्र शिक्षा समिति (NESTS) द्वारा एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों (EMRSs) में **शिक्षकीय** एवं **गैर-शिक्षकीय** पदों पर भर्ती हेतु ESSE-2025 की घोषणा की गई है।

प्रथम चरण (Tier-I) परीक्षा में **प्राचार्य** एवं **लेखाकार पदों** की परीक्षा **13 दिसंबर 2025** को आयोजित की जाएगी। **टीजीटी, पीजीटी** एवं **विविध शिक्षकों** की परीक्षा **14 दिसंबर 2025** को निर्धारित है।

उम्मीदवार अपने प्रवेश-पत्र निम्न लिंक से डाउनलोड कर सकते हैं:
https://examinationservices.nic.in/AdmitCardService/Admitcard/Login?appref no=102992511

भविष्य की अद्यतनों हेतु उम्मीदवारों को वेबसाइट **www.nests.tribal.gov.in** पर नियमित रूप से विज़िट करने की सलाह दी जाती है।

जारीकर्ता: **NESTS**

प्रवासी राजस्थानी निवेश कर राज्य के विकास में बन रहे सक्रिय सहभागी : भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान पर्यटन, सूचना प्रौद्योगिकी, नवीकरणीय ऊर्जा, कृषि, चिकित्सा सहित अनेक क्षेत्रों में तेजी से आगे बढ़ रहा है। साथ ही, प्रदेश की भौगोलिक विविधता एवं समृद्ध सांस्कृतिक विरासत इस विकास यात्रा को और मजबूती देती है। उन्होंने कहा कि प्रवासी राजस्थानी प्रदेश की इस प्रगति में बड़े साझेदार बने हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि हम सभी के सहयोग से राजस्थान को देशभर में अग्रणी राज्य बनाकर विकसित राजस्थान के संकल्प को पूरा किया जा सकेगा। शर्मा गुरुवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में सूरत, लंदन, दुबई, सिंगापुर, कंपाला, टोक्यो, दोहा, म्यूनिख, न्यूयॉर्क , भुवनेश्वर, नैरोबी, कोलकाता एवं दिल्ली चैप्टर्स के सदस्यों के साथ संवाद कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने सभी चैप्टर्स के प्रतिनिधियों से बातचीत कर उनके द्वारा राज्य में किए जाने वाले निवेश प्रस्तावों पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि निवेशकों की राज्य में निवेश के लिए हर संभव मदद की जाए। साथ ही, सिंगल विंडो क्लीयरेंस के माध्यम से उनके निवेश प्रस्तावों पर आवश्यक कार्यवाही की जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी प्राथमिकता है कि प्रवासी राजस्थानियों का अपनी मिट्टी से जुड़ाव बना रहे, इसके लिए हमारी सरकार ने प्रथम प्रवासी राजस्थानी दिवस पर ऐतिहासिक आयोजन किया। प्रवासियों के कल्याण तथा उनके हितों के लिए 'राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय प्रवासी राजस्थानी मामलात विभाग' का गठन किया गया है। साथ ही, प्रवासी राजस्थानी नीति भी लॉन्च की गई है। उन्होंने कहा कि राजस्थान फाउंडेशन के माध्यम से प्रवासी राजस्थानियों के जुड़ाव को और मजबूत किया जा रहा है। इसके लिए राज्य सरकार द्वारा राजस्थान फाउंडेशन के 14 नए चैप्टर्स की घोषणा की गई है। जिससे इन चैप्टर्स की कुल संख्या अब बढ़कर 40 हो गई है।

शर्मा ने कहा कि सरकार द्वारा ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के लिए प्राथमिकता से कार्य किया गया है। साथ ही, निवेशकों के लिए 'राजनिवेश' पोर्टल भी महत्वपूर्ण है, जिसके माध्यम से निवेशक मिनटों में ई-रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया पूरी कर अपने प्रोजेक्ट की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। इस दौरान देश-विदेश से आए विभिन्न चैप्टर्स के सदस्यों ने मुख्यमंत्री को प्रथम प्रवासी राजस्थानी दिवस के अभूतपूर्व आयोजन के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम के माध्यम से दुनियाभर में बसे प्रवासी राजस्थानियों को एक मंच पर आने का मौका मिला। उन्होंने कहा कि वे राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में निवेश कर रहे हैं और वे इस निवेश को और बढ़ाने के लिए उत्सुक हैं, जिससे प्रदेश के विकास में अपनी सक्रिय भूमिका निभा सके।

संवाद के दौरान प्रवासी राजस्थानियों ने हॉस्पिटैलिटी एवं ट्यूरिज्म सेक्टर, वैलनेस, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डिजिटल लिटरेसी, आईटी, सेल्फ डिफेंस ट्रेनिंग फॉर विमेंस, फिल्म शूटिंग, फॉरेन लैंग्वेज, स्किल डेवलपमेंट, ड्रोन मैन्युफैक्चरिंग, मेडिसिन एवं हैल्थ इक्विपमेंट, मल्टी स्पेशियलिटी हॉस्पिटल सहित विभिन्न सेक्टर्स में निवेश करने की मंशा जताई। अधिकारियों द्वारा इस संबंध में निवेशकों को निवेश संबंधी प्रक्रियाओं की पूरी जानकारी दी गई।

इस दौरान सभी चैप्टर्स द्वारा मुख्यमंत्री का स्वागत अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। संवाद में 13 एनआरआर चैप्टर्स के सदस्यों सहित जाम्बिया, घाना व न्यूजीलैंड के प्रवासी राजस्थानियों ने भी हिस्सा लिया।

राजस्थान कांग्रेस जातीय खेमेबंदी के दलदल में फंसी

बालमुकुंद जोशी
dakshinbharat.com

जयपुर । राजस्थान कांग्रेस इन दिनों जिस तरह जातीय खेमेबंदी के दलदल में धंसती जा रही है, वह केवल उसकी संगठनात्मक कमजोरी नहीं, बल्कि नेतृत्व की दिशा खोने का संकेत भी है। हाल के महीनों में पार्टी के भीतर यह प्रवृत्ति तेजी से उभरी है कि नेता और कार्यकर्ता खुद को सबसे बड़ी जात का प्रतिनिधि बताकर राजनीतिक वजन बढ़ाने में लगे हैं। यह वही कांग्रेस है जो लंबे समय तक सर्वधर्म और सर्वजातीय संतुलन की राजनीति का प्रतीक मानी जाती थी। अब संगठन के अंदर जातिवाद का जो ज़हर फैल रहा है, उसने कांग्रेस की सामूहिक पहचान और वैचारिक विरासत पर प्रश्नचिह्न खड़ा कर दिया है।

पार्टी के भीतर स्थितियाँ इस हद तक बदल चुकी हैं कि कई स्थानों पर पदाधिकारियों की नियुक्ति का आधार अनुभव, संघर्ष या संगठन क्षमता न होकर केवल जातिगत समीकरण रह गया है।यह परिस्थिति कांग्रेस को एक लोकतांत्रिक संस्था की बजाय जातीय बिरादरी आधारित मंच के रूप में प्रस्तुत करने लगी है। स्वार्थ के इस खेल में बड़ी जिम्मेदारी संभालने वाले नेता भी अपने राजनीतिक भले के लिए संगठन के दीर्घकालिक हितों को नजरअंदाज कर रहे हैं। इससे कांग्रेस की परंपरागत पहचान समावेशी राजनीति गंभीर संकट में है।

कभी कांग्रेस में ऐसे कार्यकर्ताओं को महत्वपूर्ण जिम्मेदारियाँ मिलती थीं, जो पार्टी की नीतियों को आत्मसात करते थे, अनुशासित होते थे और संगठन की ज़मीन को समझते थे, चाहे उनकी कोई जातिगत ठसक न हो। सूरज खत्री इसका एक उदाहरण हैं। लगभग 24 वर्षों तक पीसीसी के प्रमुख महामंत्री रहे खत्री ने कांग्रेस के आठ प्रदेशाध्यक्षों के साथ काम किया, स्व. हीरालाल देवपुरा, स्व. परसराम मदेरणा, अशोक गहलोत, स्व. गिरिजा व्यास, डॉ. बी.डी. कल्ला, नारायण सिंह, डॉ. चंद्रभान और डॉ. सी.पी. जोशी। पंजाबी समुदाय से होने के बावजूद खत्री की पहचान जातीय आधार पर नहीं, बल्कि संगठन निर्माण और रणनीतिक कौशल पर टिकती थी। उस दौर में नेतृत्व की प्राथमिकता जाति नहीं, योग्यता और संगठनात्मक मजबूती हुआ करती थी, यही वजह थी कि खत्री वर्षों तक कांग्रेस के केंद्र में बने रहे।

वर्तमान परिदृश्य इसके ठीक उलट है। आज कांग्रेस में महामंत्री जैसे पद पाने के लिए साम, दाम, दंड, भेद सबका इस्तेमाल सामान्य बात हो गई है। हालात यहां तक बन गए हैं कि कई बार प्रदेशाध्यक्ष को अपनी ही कार्यकारिणी की सही संख्या का ज्ञान नहीं रहता।जंबो जेट जैसी कार्यकारिणी न केवल संगठन की गंभीरता को पलीता लगाती है बल्कि यह संदेश भी देती है कि पद अब योग्यता नहीं, बल्कि समीकरणों की फिटिंग का परिणाम हैं।

जोगाराम पटेल ने कांग्रेस पर लगाया प्रायोजित आंदोलन का आरोप

जयपुर। हनुमानगढ़ जिले के टिब्बी क्षेत्र में एथेनॉल फैक्ट्री के विरोध के दौरान हुई हिंसा अब राजनीतिक रंग ले चुकी है। राज्य सरकार ने इस घटना को विपक्ष, विशेषकर कांग्रेस, की सुनियोजित राजनीतिक चाल बताया है।

संसदीय कार्य एवं विधि मंत्री जोगाराम पटेल ने गुरुवार को कहा कि यह विरोध प्रदर्शन किसानों का नहीं, बल्कि प्रदूषित उद्देश्य से कराया गया प्रायोजित आंदोलन है। फैक्ट्री की अनुमति पिछली सरकार में मिलीपटेल मंत्री पटेल के अनुसार जिस एथेनॉल प्लांट का विरोध किया जा रहा है, उसे लगाने की अनुमति पिछली कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में दी गई थी। उन्होंने आरोप लगाया कि अब वही लोग परियोजना पर सवाल उठाकर माहौल बिगाड़ रहे हैं। पटेल का कहना है कि आंदोलन के लिए ऐसा समय चुना गया जब वर्तमान सरकार के दो वर्ष पूरे हो रहे हैं, जिससे राजनीतिक तौर पर अस्थिरता पैदा की जा सके। उन्होंने इसे कांग्रेस की दोहरी नीति बताया।

राजस्थान संपर्क पोर्टल पर प्राप्त होने वाले प्रकरणों की समीक्षा, शिकायतों के त्वरित निस्तारण के दिए निर्देश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता निदेशक आशीष मोदी ने गुरुवार को राजस्थान सम्पर्क पोर्टल पर विभाग से संबंधित प्राप्त होने वाले प्रकरणों की समीक्षा बैठक की और पोर्टल पर आने वाली शिकायतों के त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए। मोदी ने मुख्यालय अंबेडकर भवन के कांफ्रेंस हॉल में आयोजित बैठक में कहा कि विभाग संपर्क पोर्टल के माध्यम से संवेदनशीलता, पारदर्शिता और जवाबदेहिता के साथ परिवेदना के समयबद्ध निस्तारण के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि अधिकारीगण पोर्टल पर आने वाली किसी भी शिकायत या परिवेदना के निस्तारण में पूर्ण संवेदनशीलता दिखाए और प्राथमिकता के साथ उसे निस्तारित करवाए।

निर्देशक ने पोर्टल पर दर्ज सभी शिकायतों की श्रेणी और उनमें लगने वाले समय की जानकारी ली। इस दौरान वृद्धजन पेंशन, नशामुक्ति, पालनहार, कन्यादान, अंतरजातीय विवाह, एट्रोसिटी, पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति सहित विभिन्न योजनाओं में 90 दिनों से अधिक लंबित प्रकरणों की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि अधिकारी संवेदनशीलता के साथ संपर्क पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों में संतुष्टि के स्तर को बढ़ाने के प्रयास करें। उन्होंने कहा कि अधिकारीगण प्रकरणों में अस्पष्ट जवाब ना दे, दस्तावेज, नियमों या किसी अन्य कारण से होने की कमी पर स्पष्ट लिखें।

नो हेलमेट नो एंट्री, नो सीट बेल्ट नो एंट्री पोस्टर का मंत्री बेढम ने किया विमोचन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा गत दो वर्षों में जनकल्याणकारी योजनाओं और विकास कार्यों के प्रभावी क्रियान्वयन से करौली जिले में महिला सशक्तीकरण किसान समृद्धि, युवा, श्रमिक उन्नयन तथा आमजन को सशक्त बनाने की दिशा में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ प्राप्त हुई हैं। गृह राज्य एवं करौली जिला प्रभारी मंत्री श्री जवाहर सिंह बेढम ने गुरूवार को आयोजित प्रेस वार्ता में बताया कि जिला प्रशासन एवं विभागीय समन्वय के माध्यम से योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के संकल्प को प्रदेश ने जमीनी स्तर पर साकार किया है।

जिले में महिलाओं और बालिकाओं के सर्वांगीण विकास के लिए संचालित योजनाओं ने ठोस परिणाम दिए हैं। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के अंतर्गत दो वर्षों में 22 हजार 561 महिलाओं को 7.33 करोड़ रुपये की राशि हस्तांतरित की गई, वहीं मुख्यमंत्री मातृत्व योजना में 11 हजार 567 महिलाएं 2.15 करोड़ रुपये की सहायता से लाभान्वित हुईं। लाड़ो प्रोत्साहन योजना में 9 हजार 315 बालिकाओं को 2 करोड़ 32 लाख 87 हजार 500 रुपये की राशि प्रदान की गई। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान के अंतर्गत 900 प्रसूताओं को चादर वितरित की गई तथा बेटी जन्मोत्सव कार्यक्रम में प्रथम कक्षा में प्रवेश लेने वाली 400 बालिकाओं को बेबी किट प्रदान कर उनका प्रोत्साहन किया गया। सामूहिक विवाह एवं अनुदान योजना से 61 जोड़े लाभान्वित हुए। मुख्यमंत्री नारी शक्ति प्रशिक्षण एवं कौशल संवर्धन योजना में 1 हजार 443 बालिकाओं को प्रशिक्षण उपलब्ध कराया गया तथा नारी शक्ति योजना के अंतर्गत 25 लाख रुपये का अनुदान जारी हुआ। लखपति दीदी योजना में 23 हजार 722 महिलाएं लाभान्वित हुईं और मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के अंतर्गत 348 कन्याओं को 1.28 करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की गई। मुख्यमंत्री एकल नारी सम्मान पेंशन योजना के तहत दो वर्ष में 43 हजार 945 महिलाओं को 131.83 करोड़ रुपये से अधिक की राशि वितरित की गई, जबकि जननी सुरक्षा योजना में 32 हजार 661 महिलाओं को 4.48 करोड़ रुपये से अधिक की राशि प्रदान की गई। बीपीएल देशी घी योजना के अंतर्गत 1 हजार 975 माताएं तथा मां वाउचर योजना में 4 हजार 570 महिलाएं लाभान्वित हुईं।

कृषि एवं पशुपालन के क्षेत्र में भी जिले में महत्वपूर्ण प्रगति दर्ज की गई है।

बाघों के साथ जल, जंगल और ज़मीन बचाने के हों प्रयास : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कहा कि बप्पा रावल के नाम पर ही रावल पिंडी बना हुआ है। वह मेवाड़ के ऐसे पराक्रमी योद्धा थे जिन्होंने अरब से आए मीर कासिम को ईरान तक खदेड़ा। उन्होंने राजस्थान को वीरों की धरती बताते हुए कहा कि यहां सर्वाधिक बाघ अभ्यारण्य होने के साथ ही, प्रकृति संरक्षण परंपराएं भी जीवंत हैं। उन्होंने बाघों के साथ जल, जंगल और ज़मीन बचाने के लिए भी सबको मिलकर कार्य करने का आह्वान किया।

बागड़े गुरुवार को जवाहर कला केंद्र में जयपुर टाइगर फेस्टिवल के शुभारंभ के अवसर पर संबोधित कर रहे थे। उन्होंने बाघ उत्सव में आयोजित फोटो प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया और वन, वन्यजीव संरक्षण क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य करने वाले विशिष्टजनों को सम्मानित किया। राज्यपाल बागड़े ने कहा कि बाघों के होने से ही पारिस्थितिकी संतुलन बना रह सकता है। उन्होंने कहा कि बढ़ती मनुष्य आबादी के साथ ही बाघों के प्राकृतिक आवास तेजी से संकुचित हो रहे हैं। उन्होंने बाघ संरक्षण के लिए जागरूकता का प्रसार किए जाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि बाघ अंब्रेला स्पेसिस है। वह रहेगा तभी जंगल और जंगली जीव सुरक्षित रह सकते हैं। इसी से पर्यावरण संरक्षण बना रहेगा। उन्होंने कहा कि देश में बाघ अभ्यारण्य बनने से ही जंगल बचे रहे हैं।

राज्यपाल ने कहा कि राजस्थान भक्ति और शक्ति का ही प्रदेश नहीं है, गौ पालन का भी सबसे बड़ा स्थान है। उन्होंने कहा कि दुग्ध उत्पादन में राजस्थान देशभर में दूसरे स्थान पर है। गौ पूजा, गौशाला स्थापना में राजस्थान अग्रणी है। उन्होंने बाघ को विश्व का बहुत सुंदर और शक्तिशाली जीव बताते हुए कहा कि विश्व के 75 प्रतिशत बाघों की संख्या अकेले हमारे देश में हैं। उन्होंने कहा कि राजस्थान के रणथम्भौर नेशनल पार्क, मुकुंदरा टाइगर रिजर्व व सरिस्का टाइगर रिजर्व को अच्छी श्रेणी का टाइगर रिजर्व माना गया है। उन्होंने बताया कि राजस्थान में कुल 160 बाघ हैं, जिनमें 144 जंगली और 16 कैप्टिविटी में हैं।

फतेहपुर में न्यूनतम तापमान चार डिग्री सेल्सियस तक लुढका

जयपुर। राजस्थान के अनेक हिस्सों में सर्दी का दौर जारी है जहां बुधवार रात फतेहपुर में पारा चार डिग्री सेल्सियस तक लुढक गया। मौसम केंद्र (जयपुर) के अनुसार इसके अलावा अन्य स्थानों पर न्यूनतम तापमान नागौर में पांच डिग्री, लूणकरणसर में 5.6 डिग्री, दौसा में 6.1 डिग्री, जालोर में 6.4 डिग्री, करौली में 6.7 डिग्री, सिरोही में 6.8 डिग्री, पाली में 7.3 डिग्री और झुंझुनू में 7.8 डिग्री सेल्सियस रहा। राज्य की राजधानी जयपुर में यह 10.7 डिग्री सेल्सियस रहा। केंद्र का कहना है कि राज्य के अधिकतर भागों में आगामी एक सप्ताह मौसम शुष्क रहने की पूरी संभावना है। हालांकि एक कमजोर पश्चिमी विक्षोभ के आंशिक प्रभाव से अगले दो-तीन दिन आंशिक रूप से बादल छाये रह सकते हैं तथा न्यूनतम तापमान में एक से दो डिग्री की हल्की बढ़ोतरी हो सकती है। केंद्र का कहना है कि राज्य के अधिकतर भागों में आगामी दिनों में न्यूनतम तापमान सामान्य रहेगा तथा शीतलहर से राहत रहेगी। उत्तर पश्चिमी भारत की कुछ भागों में एक और नया पश्चिमी विक्षोभ 18 से 20 दिसंबर के आसपास सक्रिय हो सकता है।

गागरोन किले में सामूहिक चित्रकला कार्यक्रम में 51,000 से अधिक छात्रों ने भाग लिया

कोटा। झालावाड़ स्थित यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल गागरोन किले में बुधवार को एक ऐतिहासिक क्षण देखने को मिला जब 51,000 से अधिक छात्रों ने एक साथ चित्रकारी की। राज्य सरकार के 'पंच गौरव कार्यक्रम' के तहत आयोजित चित्रकारी कार्यक्रम का नाम 'गागरोन किला चित्रकला महोत्सव' रखा गया था। इसका उद्देश्य जिले और राज्य भर में विरासत के प्रति जागरूकता पैदा करना था। इस महोत्सव में बच्चों की कला प्रतिभा को दिखाया गया और साथ ही क़िले की सांस्कृतिक भव्यता को भी उजागर किया गया। झालावाड़ जिले के कलेक्टर अजय सिंह राठौड़ ने इस आयोजन को जिले के लिए एक अविस्मरणीय उपलब्धि बताया। राठौड़ ने कहा, गागरोन किला सदियों के इतिहास का साक्षी रहा है, लेकिन आज इसने रचनात्मकता के सागर को देखा। यह आयोजन मात्र एक रिकॉर्ड नहीं है, बल्कि हमारे बच्चों की कल्पनाशीलता, हमारी विरासत के प्रति सम्मान है।

वनरक्षक पेपर लीक प्रकरण में एक आरोपी भोपाल से गिरफ्तार

जयपुर। राजस्थान पुलिस के विशेष अभियान दल (एसओजी) ने वनरक्षक परीक्षापत्र लीक प्रकरण में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अतिरिक्त महानिदेशक (एसओजी) विशाल बंसल ने बताया कि 13 नवम्बर 2022 को हुई वनरक्षक भर्ती परीक्षा-2020 पेपर लीक मामले के मुख्य आरोपी और 50 हजार रुपये के ईनामी बदमाश जबरा राम जाट से गहन पूछताछ के आधार पर एसओजी ने आरोपी केडी डॉन को गिरफ्तार किया है।उन्होंने बताया कि गिरफ्तार आरोपी खिलान सिंह उर्फ केडी डान भोपाल का रहने वाला है। पूछताछ में यह खुलासा हुआ कि खिलान सिंह भोपाल स्थित रुचि प्रिंटिंग प्रेस (जहां वनरक्षक भर्ती परीक्षा का पेपर छपा था) से जुड़ा था और बेल कंपनी में बाइंडिंग का काम करता था। खिलान सिंह ने प्रेस के कार्मिकों की मदद से वनरक्षक भर्ती परीक्षा की दोनों पालियों के पेपर चुराए थे। गिरफ्तारी के बाद पूछताछ में खिलान सिंह उर्फ केडी डान ने स्वीकार किया कि उसने ये गोपनीय पेपर मुख्य आरोपी जबरा राम जाट को 23 लाख रुपये में उपलब्ध कराए थे। उसने बताया कि यह राशि उसने नगद और ऑनलाइन माध्यमों से प्राप्त की थी, उसे बुधवार 10 दिसंबर को गिरफ्तार किया गया है। पूछताछ में उसने रुचि प्रिंटिंग प्रेस में काम करने वाले कुछ अन्य कार्मिकों के नाम भी उजागर किए हैं। एसओजी की टीम अब इन सभी संदिग्ध कार्मिकों की तलाश कर रही है।

सीआरपीएफ के जवान का पदोन्नति के कुछ घंटे बाद निधन

जयपुर। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के जवान का मणिपुर में पदोन्नति के कुछ ही घंटे बाद ही निधन हो गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार के अनुसार राजस्थान के कोटपूतली-बहरोड़ जिले के गांडाला गांव के कर्मवीर यादव (39) सीआरपीएफ की 189वीं बटालियन में तैनात थे। वह 2007 में बतौर चालक सीआरपीएफ में शामिल हुए थे और रंगोली (इंफाल) में तैनात थे। अधिकारियों का कहना है कि नौ दिसंबर को उन्हें आरक्षी से मुख्य आरक्षी के पद पर पदोन्नत किया गया था। सीआरपीएफ के निरीक्षक सुरेश कुमार के अनुसार यादव मंगलवार रात ड्यूटी से लौटे, खाना खाया और आराम करने चले गए। बाद में एक साथी ने उन्हें आवाज दी और जब कोई जवाब नहीं मिला, तो उसने उनके कमरे में जाकर देखा। सुरेश कुमार के मुताबिक यादव बेहोश मिले और उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सीआरपीएफ कर्मियों ने बताया कि उनकी पार्थिव शरीर दिल्ली से उनके गांव गांडाला ले जाया जायेगा। यादव का अंतिम संस्कार शुक्रवार सुबह पूरे सैनिक सम्मान से किया जाएगा।

वर्धमान स्कूल में करोड़ों का कैश बरामद, इनकम टैक्स ने 6 ठिकानों पर छापेमारी

जयपुर। इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने जयपुर में वर्धमान ग्रुप के रियल एस्टेट और एजुकेशन सेक्टर के आधा दर्जन से अधिक ठिकानों पर छापेमारी की। गुरुवार सुबह आयकर विभाग की टीम मानसरोवर स्थित वर्धमान इंटरनेशनल स्कूल के मुख्य कार्यालय पहुंची, जहाँ करोड़ों रुपये कैश बरामद हुए। इतने बड़े कैश की गिनती के लिए नोट काउंटिंग मशीन भी मंगवाई गई। सूत्रों के अनुसार, ग्रुप द्वारा कैश लेन-देन के माध्यम से टैक्स चोरी की जा रही थी। आयकर विभाग अब ग्रुप के अन्य ठिकानों पर भी सर्च कर रहा है। मुख्य कार्यालय में दस्तावेजों के साथ अलमारियों की भी जांच की जा रही है। साथ ही, ग्रुप के मुख्य अधिकारियों के बैंक अकाउंट, प्रॉपर्टी और डिजिटल डिवाइस की भी जांच की जा रही है। वर्धमान ग्रुप के फ्लैट और जमीन की खरीद-फरोख्त में अनियमितताओं के दस्तावेज भी बरामद हुए हैं। आयकर विभाग की टीम ने बुधवार को सर्वे के बाद कार्रवाई को सर्च में बदल दिया।

सिरोही मेडिकल कॉलेज का प्रिंसिपल 50 हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार

सिरोही। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (-उइ) जयपुर की टीम ने गुरुवार को भीमराव अंबेडकर गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज, सिरोही के प्रिंसिपल श्रवण मीना को 50,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। एसीबी महानिदेशक गोविंद गुप्ता ने बताया कि शिकायतकर्ता कॉलेज हॉस्टल मेस का ठेकेदार है। उसने बताया कि उसके बिल पास करने और कॉन्ट्रैक्ट को रिन्यू करने के बदले प्रिंसिपल द्वारा 50 हजार रुपये की रिश्वत मांगी जा रही थी। शिकायत की जांच के बाद आज एसीबी की एसआईयू टीम ने उप महानिरीक्षक अनिल कयाल के निर्देशन और एएसपी संदीप सारस्वत के नेतृत्व में ट्रैप कार्रवाई की। इसी दौरान प्रिंसिपल श्रवण मीना को रिश्वत लेते हुए पकड़ लिया गया। एसीबी की अतिरिक्त महानिदेशक स्मिता श्रीवास्तव के निर्देशन में आरोपी से पूछताछ जारी है। मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत केस दर्ज कर आगे जांच की जा रही है।

कांग्रेस तो बीस साल में भी एसआईआर के लिए तैयार नहीं हुई : सुधांशु त्रिवेदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। मुख्य विपक्षी दल पर लोकतंत्र को अब तक नहीं समझ पाने का आरोप लगाते हुए भारतीय जनता पार्टी के एक सदस्य ने बृहस्पतिवार को राज्यसभा में कहा कि मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर आपत्ति जताने वाली कांग्रेस तो बीस साल में भी इसके लिए तैयार नहीं हुई।

भाजपा के सुधांशु त्रिवेदी ने चुनाव सुधारों पर उच्च सदन में चर्चा में हिस्सा लेते हुए कहा कि चुनाव प्रक्रिया आजादी के बाद शुरू हुई और कई तरह की समस्याएं आईं लेकिन समय के साथ चीजें बदलती गईं। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकारों के समय और फिर संप्रग सरकार के दौरान सत्ता पक्ष ने अपनी जरूरत के अनुसार नियमों में बार-बार बदलाव किए। उन्होंने कहा कि संप्रग सरकार के समय लाभ के पद के मुद्दे पर नियम बदले गए थे। त्रिवेदी ने कहा कि दूसरों पर आरोप लगाने वालों को पहले यह देखना चाहिए कि उन्होंने सत्ता में रहते हुए कब-कब क्या-क्या किया था? उन्होंने दावा किया कि चुनावी बॉण्ड के रूप में राजग सरकार ने चुनावी चंदे को लेकर पारदर्शी व्यवस्था बनाई। उन्होंने बताया कि पूर्ववर्ती सरकारों को बहुमत तब मिलता था जब मतपत्रों की पेटियां लूटी जाती थीं, बूथ 'कैप्चरिंग' होती थी और गोलियां चलती थीं। उन्होंने कहा ''आज सीसीटीवी कैमरों से निगरानी होती है, ईवीएम का उपयोग होता है।''

त्रिवेदी ने कहा कि मतदाता सूची के पुनरीक्षण को लेकर कांग्रेस आज आपत्ति उठा रही है लेकिन बाबा साहेब आंबेडकर ने 18 दिसंबर 1950 को यह पुनरीक्षण हर छह महीने में करने की जरूरत रेखांकित की थी लेकिन व्यवहारिक दिक्कतों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा था कि एक साल में यह होना चाहिए। ''कांग्रेस तो बीस साल में भी मतदाता सूचियों का पुनरीक्षण नहीं करना चाहती।'' उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस लोकतंत्र को अब तक समझ नहीं पाई है। त्रिवेदी ने कहा कि कांग्रेस शिकायतों के समाधान के लिए उपलब्ध संवैधानिक रास्तों पर जाने के बजाय शोर-शराबा कर रही है। क्रिकेट का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि जब कोई टीम अंपायर के फैसले से असहमत होती है, तो समीक्षा का विकल्प होता है, लेकिन कांग्रेस प्रेस कॉन्फ्रेंस कर रही है और उम्मीद कर रही है कि तीसरा अंपायर खुद फैसला बदल देगा। उन्होंने पूछा कि कांग्रेस ने बिहार चुनाव का सीसीटीवी फुटेज 45 दिन बाद भी क्यों नहीं मांगा।

त्रिवेदी ने पारदर्शिता नहीं रखने के कांग्रेस के आरोपों पर पलटवार करते हुए कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष के चुनाव में 22 नेताओं ने मतदाता सूची मांगी थी, लेकिन उन्हें सूची उपलब्ध नहीं कराई गई, जैसा कि मीडिया रिपोर्ट में कहा गया। उन्होंने कहा, जो अपनी पार्टी के चुनाव की वोटर लिस्ट तक नहीं देते, वे दूसरों को पारदर्शिता पर उपदेश दे रहे हैं।

त्रिवेदी ने कहा कि भारत को लोकतंत्र की जननी कहा जाता है और यहां का लोकतंत्र जीवंत है। इस जीवंत लोकतंत्र का आधार उसकी विविधतापूर्ण संस्कृति है। ''लेकिन हमारे ही देश के कुछ लोग दूसरे देशों में जा कर गुहार लगाते हैं कि देश में लोकतंत्र को बचाना है।'' त्रिवेदी ने कहा कि बाबा साहेब आंबेडकर ने कहा था कि समानता, बंधुता और स्वतंत्रता के सिद्धांतों को हमें विदेशी नजरिये से देखने की जरूरत नहीं है।

गीता पाठ कार्यक्रम में हमले पर ममता ने कहा

बंगाल, उत्तर प्रदेश नहीं है; यहां ऐसा नहीं होने देंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कोलकाता में हाल ही में आयोजित गीता पाठ कार्यक्रम में दो खाद्य विक्रेताओं पर हुए हमले को लेकर बृहस्पतिवार को भाजपा पर निशाना साधा और कहा कि राज्य में इस तरह की धमकियों और धार्मिक विभाजन को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

बनर्जी ने कहा कि किसी को यह तय करने की इजाजत नहीं दी जाएगी कि लोगों को क्या खाना चाहिए। उन्होंने कहा, ''यह पश्चिम बंगाल है, उत्तर प्रदेश नहीं।'' साथ ही कहा कि इस घटना के जिम्मेदार लोगों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। नदिया जिले के कृष्णानगर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा सभी आरोपियों को कुछ घंटों के भीतर गिरफ्तार कर लिया गया। मुख्यमंत्री ने कहा, ''उन्होंने गरीब 'पैटी' विक्रेताओं को पीटा। हमने कल रात सभी को गिरफ्तार कर लिया। हर जमावड़े में कुछ न कुछ बेचने वाले फेरीवाले होते हैं। तुमने एक गरीब फेरीवाले को पीटा है। गरीबों को परेशान करने वाले किसी व्यक्ति को मैं नहीं छोड़ूंगी।'' इस घटना को मतदाता सूची के एसआईआर के नाम पर पैदा किए गए ''भय के माहौल'' से जोड़ते हुए, मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया, ''एसआईआर से लेकर गरीब विक्रेताओं के उत्पीड़न तक, सब कुछ चुनाव से पहले उनकी साजिश का हिस्सा है।'' उन्होंने भाजपा पर राज्य में सांप्रदायिक विभाजन की संस्कृति को बढ़ावा देने की कोशिश करने का आरोप लगाया। भाजपा पर निशाना साधते हुए बनर्जी ने कहा, ''मैं सांप्रदायिक विभाजन में विश्वास नहीं करती। मैं सभी धर्मों का सम्मान करती हूं। गीता पढ़ने के लिए सार्वजनिक सभा आयोजित करने की क्या आवश्यकता है? हम सभी गीता पढ़ते हैं। जो लोग ईश्वर से प्रार्थना करते हैं या अल्लाह से दुआ मांगते हैं, वे अपने हृदय में ऐसा करते हैं।'' राजनीति के लिए 'गीता, गीता' का जाप करने वालों पर तीखा प्रहार करते हुए बनर्जी ने कहा, मैं उनसे पूछना चाहती हूं कि श्रीकृष्ण ने धर्म के बारे में क्या कहा? धर्म का अर्थ है इरादों की पवित्रता, मानवता और शांति। धर्म का अर्थ घृणा या विभाजन नहीं है। हम सभी घर पर गीता का पाठ करते हैं। ईश्वर हमारे हृदय में निवास करते हैं।''

कोडीन सिरप रैकेट के प्रमुख संदिग्धों की पहचान, अब तक 133 प्राथमिकी दर्ज

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश पुलिस और खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (एफएसडीए) ने कोडीन युक्त कफ सिरप के अवैध व्यापार से जुड़े संगठित गिरोह में कथित तौर पर शामिल 10 से अधिक प्रमुख संदिग्धों की पहचान कर इस मामले में अब तक 133 प्राथमिकी दर्ज की है। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। इस मामले की जांच राज्य सरकार द्वारा इस सप्ताह की शुरुआत में पुलिस महानिरीक्षक (कानून-व्यवस्था) एल आर कुमार के नेतृत्व में गठित तीन सदस्यीय एक विशेष जांच दल (एसआईटी) कर रहा है। बृहस्पतिवार की शाम जारी एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्य सरकार का नेतृत्व संभालने के बाद से ही अवैध नशे के सौदागरों के खिलाफ जंग छेड़ दी। इसमें कहा गया है कि योगी की मंशा के अनुसार वर्ष 2022 में एएनटीएफ (एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स) का गठन किया गया। इसी क्रम में योगी सरकार के निर्देश पर एफएसडीए ने कोडीन युक्त कफ सिरप एवं एनडीपीएस श्रेणी की दवाओं के अवैध व्यापार और डायवर्जन के खिलाफ अभियान चलाया।

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के शताब्दी वर्ष तक हो सौ संस्थाओं का संचालन : योगी आदित्यनाथ

गोरखपुर/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद (एमपीएसपी) के लिए इसके शताब्दी वर्ष 2032 तक सौ संस्थाओं के संचालन तथा इनमें एक लाख विद्यार्थियों को शिक्षा और कौशल से जोड़ने का लक्ष्य रखा है। उन्होंने शताब्दी वर्ष में पूरे एक साल विविध कार्यक्रमों का आयोजन करने के लिए अभी से रूपरेखा बनाकर तैयारियों में जुट जाने के भी निर्देश दिए हैं। एमएसपीएस के 93वें संस्थापक सप्ताह के भव्य समारोह के एक दिन बाद, मुख्यमंत्री ने बृहस्पतिवार को परिषद के तहत सभी संस्थानों के प्रमुखों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की। बैठक में मुख्यमंत्री का कहना था कि सभी संस्थाओं को अभी से शिक्षा परिषद के शताब्दी महोत्सव की तैयारियों में जुटना होगा। शताब्दी वर्ष 10 दिसंबर 2031 से 10 दिसंबर 2032 तक, पूरे एक साल मनाया जाएगा। सालभर में क्या-क्या आयोजन होंगे, इसकी रूपरेखा अभी से तैयार करनी शुरू कर दी जाए।

अरुणाचल प्रदेश: ट्रक के खाई में गिरने से असम के 18 लोगों की मौत, तीन लापता

तिनसुकिया/डिब्रूगढ़ (असम)/भाषा। अरुणाचल प्रदेश के एक सुदूर इलाके में एक ट्रक के खाई में गिरने से उसमें सवार असम के तिनसुकिया जिले के कम से कम 18 लोगों की मौत हो गई जबकि तीन अन्य लोग लापता हैं। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। रक्षा मंत्रालय के जनसंपर्क अधिकारी (पीआरओ) लेफ्टिनेंट कर्नल महेंद्र रावत ने दुर्घटना में एकमात्र जीवित बचे व्यक्ति से प्राप्त सूचना के आधार पर बताया कि राज्य के पूर्वी हिस्से में स्थित अंजॉ जिले के हयूलियांग-चागलागम रोड पर यह दुर्घटना आठ दिसंबर को हुई। इस ट्रक पर तिनसुकिया जिले के 22 मजदूर सवार थे। रावत ने एक बयान में कहा कि यह दुर्गम इलाका चागलागम से लगभग 12 किलोमीटर दूर है और वहां संपर्क सीमित है तथा दुर्घटना की जानकारी किसी भी स्थानीय एजेंसी, ठेकेदार या नागरिक को नहीं थी। बयान के अनुसार एकमात्र जीवित बचे व्यक्ति ने जब आपबीती सुनाई तभी इसकी जानकारी मिली।

जासूसी के आरोप में जम्मू-कश्मीर के दो लोग अरुणाचल प्रदेश में गिरफ्तार

इटानगर/भाषा। जम्मू-कश्मीर के दो लोगों को जासूसी के आरोप में अरुणाचल प्रदेश में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान नजीर अहमद मलिक और साबिर अहमद मीर के रूप में की गई है। दोनों जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा जिले के मूल निवासी हैं। उन्होंने बताया कि खुफिया जानकारी के आधार पर नजीर को 22 नवंबर को ईटानगर के चिम्पू पुलिस थाना क्षेत्र के गंगा गांव में एक किराए के मकान से गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने दावा किया कि पूछताछ के दौरान, नजीर ने सेना और अर्धसैनिक बलों की तैनाती विवरण और सैन्य प्रतिष्ठानों की जानकारी टेलीग्राम के माध्यम से पाकिस्तानी आकाओं को साझा करने की बात स्वीकार की। नजीर के पास से दो मोबाइल फोन जब्त किए गए।

गुवाहाटी में लगी भीषण आग 38 घंटे से अधिक वक्त बाद भी बेकाबू, कई एजेंसियां बचाव कार्य में जुटीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम के गुवाहाटी में एक व्यावसायिक परिसर में लगी भीषण आग पर 38 घंटे से अधिक समय बीत जाने के बाद भी काबू नहीं पाया जा सका है जबकि वायु सेना, सेना और गुवाहाटी रिफाइनरी के जल टैंकरों भी भीषण आग को बुझाने के प्रयासों में सहयोग दे रहे हैं। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

घटना के बाद से 25 से अधिक दमकल गाड़ियां आग बुझाने के काम में लगाई गई हैं और मोरीगांव, कामरूप और नलबाड़ी जिलों से अतिरिक्त इकाइयां भी पहुंच गई हैं। राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) को भी धुआं कम करने वाले अत्याधुनिक उपकरणों के साथ अभियान में सहायता के लिए बुलाया गया है। एबीसी प्वाइंट स्थित 'स्वागत स्क्वायर कॉम्प्लेक्स' में मंगलवार देर रात लगभग साढ़े 12 बजे आग लगी। इस बहुमंजिला इमारत में भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का जोनल कार्यालय, वाणिज्यिक शाखा, प्रीमियम बैंकिंग शाखा और 'सोहम एम्पोरिया' नामक एक शॉपिंग मॉल स्थित है। अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवा (एफ एंड ईएस) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया छठी मंजिल पर आग लगी है। हम इसे बुझाने की कोशिश कर रहे हैं।'' उन्होंने बताया कि शॉपिंग मॉल के गोदाम में लगी आग दूसरी मंजिल से भी उठ रही है और वहां से धुआं निकल रहा है। एक अन्य अधिकारी ने बताया, '' इमारत के पिछले हिस्से में आग लगी है। हालांकि, निर्माण के दौरान सुरक्षा मानकों का पालन न करने के कारण दमकल गाड़ियां पीछे तक नहीं पहुंच पा रही हैं।'' उन्होंने बताया कि संबंधित अधिकारियों ने इतने बड़े व्यावसायिक परिसर की अनुमति देते समय आवश्यक सुरक्षा मानदंडों का पालन नहीं किया।

झारखंड के 27 बच्चों की तस्करी कर, नेपाल भेजा गया, जांच जारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

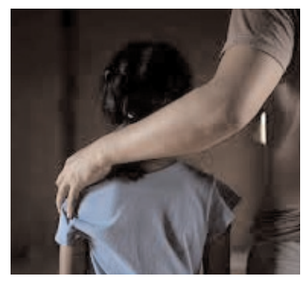

चाईबासा (झारखंड)/भाषा। झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम जिले में पुलिस ने 27 बच्चों को अच्छी शिक्षा और बेहतर जीवन देने के बहाने तस्करी कर नेपाल ले जाने के आरोपों की जांच शुरू कर दी है। एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को इसकी जानकारी दी।

अधिकारी ने बताया कि मामले में यह भी आरोप लगाया गया है कि उन्हें(बच्चों) दूसरे धर्म में परिवर्तित करने का प्रयास किया गया था। उन्होंने बताया कि यह घटना तब सामने आई जब हाल ही में 27 बच्चों में से दो बच्चे तस्करों के चंगुल से भागने में कामयाब रहे और फिर घर लौटने पर उन्होंने अपने माता-पिता को अपनी आपबीती सुनाई। पुलिस अधीक्षक अमित रेणु ने पीटीआई-भाषा को बताया कि जांच के तहत एक टीम को उन दोनो बच्चों के गांव में भेजा गया था जहां यह पता चला कि उस गांव के 11 अन्य बच्चों को बहला-फुसलाकर नेपाल ले जाया गया। पुलिस अधिकारी (एसपी) ने बताया कि तस्करी का शिकार हुए बच्चों में से चार और बच्चे बुधवार को वापस लौट आए। एसपी ने बताया कि 11 बच्चों में से पांच अब भी नेपाल में हैं और जिला प्रशासन उन्हें वापस लाने के लिए हर संभव प्रयास कर रहा है।

रेणु ने कहा, जिले के अन्य हिस्सों के 16 बच्चों के बारे में भी इसी तरह की सूचना हमारे संज्ञान में आई है लेकिन अभी तक उससे संबंधित कोई शिकायत प्राप्त नहीं हुई है। एसपी ने बताया कि कथित तस्करी के संबंध में मामला दर्ज कर लिया गया है। अधिकारी ने मामले में अधिक जानकारी देने से इनकार कर दिया है।

झारखंड में लघु खनिजों से राजस्व प्राप्ति में आई गिरावट: कैग रिपोर्ट

रांची/भाषा। झारखंड में वर्ष 2017-18 और वर्ष 2021-22 के दौरान रॉयल्टी, किराया और जुर्माने का कम भुगतान होने से लघु खनिजों से मिलने वाले राजस्व में लगातार गिरावट आई है। नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक (कैग) की बृहस्पतिवार को राज्य विधानसभा में पेश एक रिपोर्ट में यह बात कही गई है।

कैग रिपोर्ट के मुताबिक, लघु खनिजों से राजस्व वर्ष 2017-18 में 1,082.44 करोड़ रुपये था लेकिन यह घटकर वर्ष 2021-22 में 697.73 करोड़ रुपये रह गया। इस दौरान राज्य के कुल राजस्व में लघु खनिज प्राप्तियों का योगदान भी 5.36 प्रतिशत से घटकर 2.23 प्रतिशत रह गया।

झारखंड के वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने विधानसभा में यह रिपोर्ट रखी। इसमें खनन पट्टों के आवंटन और उनके प्रबंधन में गड़बड़ियों की बात कही गई है।

राज्य में लघु खनिजों के प्रबंधन का प्रदर्शन ऑडिट नवंबर 2022 से अक्टूबर 2023 के दौरान किया गया था ताकि उन क्षेत्रों की पहचान की जा सके जिनमें राज्य में लघु खनिजों के प्रबंधन में बदलाव और सुधार की ज़रूरत है।

'निर्वाचन आयोग सरकार की कठपुतली बन गया है': राज्यसभा में बोले कांग्रेस सांसद अजय माकन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य अजय माकन ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि निर्वाचन आयोग सरकार की कठपुतली बन गया है।'' साथ ही उन्होंने सवाल किया कि समान अवसर, पारदर्शिता और विश्वसनीयता के बिना लोकतंत्र कैसे जीवित रह सकता है।

राज्यसभा में चुनाव सुधारों पर चर्चा की शुरुआत करते हुए माकन ने कहा कि भारत भले ही खुद को लोकतंत्र की जननी कहता हो, लेकिन देश में निष्पक्ष चुनाव के तीन बुनियादी तत्व समान अवसर, पारदर्शिता और विश्वसनीयता को व्यवस्थित तरीके से कमजोर किया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग मशीन-द्वारा पढ़े जा सकने योग्य मतदाता सूची देने से इनकार कर रहा है, आईपी एड्रेस छिपा रहा है और 45 दिन के भीतर सबूत नष्ट कर देता है। आज निर्वाचन आयोग सरकार की कठपुतली बन गया है। आयोग का काम 'विश्वास' पैदा करना होता है, लेकिन आज उसका काम 'संदेह' बढ़ाना बन गया है। उन्होंने हरियाणा विधानसभा चुनावों का उदाहरण देते हुए कहा कि मतदान के आंकड़े नतीजों के दिन अचानक बढ़ गए, जबकि दो दिन पहले जारी सूचना में यह कम थे। आयोग से पूछने पर वह चुप रहा कि अतिरिक्त वोट कहां से आए। माकन ने कहा पारदर्शिता के मामले में भी स्थिति साफ नहीं है। हरियाणा में चुनाव हुए और पांच अक्टूबर को निर्वाचन आयोग ने देर रात आंकड़ा जारी कर कहा कि 61.19 फीसदी मतदान हुआ जो छह अक्टूबर को बढ़ कर 65.65 फीसदी और मतगणना में यह 68 फीसदी हो जाता है। उन्होंने कहा कि मत प्रतिशत का सात फीसदी बढ़ना क्या चौंकाने वाली बात नहीं है। कर्नाटक के आलंद विधानसभा क्षेत्र में फर्जी आवेदन फार्म मामले की जांच कर रही सीआईडी को भी आयोग द्वारा फॉर्म जमा करने वाले कंप्यूटरों के आईपी एड्रेस और पोर्ट नंबर न देने का आरोप उन्होंने लगाया।

झारखंड के साहिबगंज पक्षी अभ्यारण्य में दुर्लभ प्रवासी पक्षी दिखा

साहिबगंज/भाषा। झारखंड के साहिबगंज जिले के उधवा पक्षी अभयारण्य में लगभग एक दशक बाद 'पलास गल' नामक एक दुर्लभ प्रवासी पक्षी को देखा गया है, जिसे 'ग्रेट ब्लैक-हेडेड गल' भी कहा जाता है। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि पक्षी को बुधवार शाम को देखा गया था। साहिबगंज के संभागीय वन अधिकारी प्रबल गर्ग ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''बुधवार शाम को उधवा पक्षी अभयारण्य में पक्षी प्रेमियों ने एक कम उम्र के पलास गल को देखा। यह राज्य का एकमात्र 'रामसर स्थल' और पूर्वी भारत का एकमात्र पक्षी अभयारण्य है।'' वन अधिकारी ने दावा किया, ''यह आर्द्रभूमि के लिए एक दुर्लभ प्रवासी पक्षी है और इसे आखिरी बार 2015 में पक्षी जनगणना के दौरान देखा गया था। लगभग एक दशक बाद इसकी वापसी पक्षी अभयारण्य की जैव विविधता के लिए एक सकारात्मक संकेत है।'' अधिकारी ने कहा कि यह प्रजाति दक्षिणी रूस से मंगोलिया तक दलदली क्षेत्रों और द्वीपों में कॉलोनियों में प्रजनन करती है। यह एक प्रवासी पक्षी है, जो पूर्वी भूमध्य सागर, अरब और भारत में सर्दियां बिताता है। अधिकारी ने बताया, ''यह पक्षी जमीन पर घोंसला बनाता है और दो से चार अंडे देता है।'' अधिकारी ने कहा कि सभी प्रवासी पक्षी वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के तहत संरक्षित हैं और उन्हें या उनके आवास को कोई भी नुकसान पहुंचाना अधिनियम के तहत संज्ञेय और गैर-जमानती अपराध है, जिसके लिए सात साल तक कैद की सजा हो सकती है।

सरकार ने 18 महीनों के कार्यकाल में 37,916 लोगों को नियुक्तियां दीं : मांझी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण मांझी ने बृहस्पतिवार को कहा कि उनकी सरकार ने 18 महीने के कार्यकाल में 37,916 लोगों को नौकरी दी है, और वह पहले दो वर्षों के भीतर 65,000 सरकारी पदों को भरने के अपने वादे को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। मांझी ने जल संसाधन (252), आवासन एवं शहरी विकास (142) और निर्माण (197) विभागों में नए भर्ती हुए 591 अधिकारियों और कर्मचारियों को नियुक्ति पत्र सौंपने के दौरान यह कहा । मांझी ने कहा, हमारी सरकार ने पांच साल में सभी 1.5 लाख रिक्त पदों को भरने और दो साल में 65,000 सरकारी पदों को भरने का वादा किया है। मुख्यमंत्री ने बताया कि 13 चरणों में 37,916 नियुक्तियां पहले ही की जा चुकी हैं और अगले छह महीनों में 30,000 और नियुक्तियां पूरी कर ली जाएंगी, जबकि 15,000 अतिरिक्त पद बहुत जल्द भर दिए जाएंगे।

क्रिकेट के लिए जो भी अच्छा हो, बीसीसीआई को वही करना चाहिए : कपिल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पूर्व भारतीय कप्तान कपिल देव ने दक्षिण अफ्रीका से हाल में घरेलू मैदान पर टेस्ट शृंखला में मिली 0-2 की हार के बाद टीम के लिए अलग प्रारूप के अलग कोच रखने के विचार का समर्थन नहीं किया और कहा कि बीसीसीआई को कोचिंग का वही तरीका अपनाना चाहिए जो भारतीय क्रिकेट के लिए सबसे अच्छा हो।

जब उनसे पूछा गया कि क्या भारतीय टीम के घरेलू मैदान पर टेस्ट में हार के सिलसिले को खत्म करने के लिए लाल गेंद और सफेद गेंद के प्रारूप के लिए अलग-अलग कोच कारगर हो सकते हैं तो कपिल ने कहा, ''मुझे नहीं पता। मैं इसका जवाब नहीं दे सकता। आपको सोचना होगा कि क्या होना चाहिए। जो भी क्रिकेट के लिए अच्छा हो, मुझे लगता है कि उन्हें वही करना चाहिए। '' भारतीय टीम को 1983 विश्व कप दिलाने वाले कप्तान कपिल ने इस बात को खारिज कर दिया कि सोशल मीडिया के जमाने में उनके खेलने के दिनों के मुकाबले एथलीट बनना ज्यादा मुश्किल है।

उन्होंने कहा, ''नहीं, यह हमेशा एक जैसा ही होता है। तब भी मुश्किल था, अब भी मुश्किल है। तब भी आसान था और अब भी आसान है। आपकी सोच ज्यादा जरूरी है। '' जब उनसे पूछा गया कि क्या टी20 लीग के बढ़ते वित्तीय आकर्षण ने राष्ट्रीय प्रतिनिधित्व को पीछे छोड़ दिया है तो कपिल ने कहा कि हर खिलाड़ी अपनी प्राथमिकताओं को अलग तरह से देखता है। उन्होंने कहा, ''हर किसी को पैसा पसंद है, लेकिन कुछ खिलाड़ियों को लगता है कि यह बहुत जरूरी है। मुझे अब भी लगता है कि इंडियन प्रीमियर लीग में खेलने से ज्यादा जरूरी भारत के लिए खेलना है। लेकिन हर कोई अलग होता है, उनकी अपनी सोच है। उन्हें शुभकामनाएं। '' जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्हें कोई खास प्रारूप पसंद है तो कपिल ने कहा कि उन्हें खेल के सभी प्रारूपों में मजा आता है। उन्होंने कहा, ''मुझे बस क्रिकेट पसंद है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि दो गेंदों का क्रिकेट हो या 100 गेंदों का या 100 ओवर का या 10 ओवर का। क्रिकेट तो क्रिकेट है। गोल्फ तो गोल्फ है, आप कोई भी प्रारूप खेलें। आखिर में आप गोल्फ का मजा लेते हैं। '' पीजीटीआई अध्यक्ष ने विराट कोहली और रोहित शर्मा के प्रदर्शन के बारे में पूछने पर मजाकिया अंदाज में टिप्पणी की, ''उन्हें शुभकामनाएं, उन्हें गोल्फ भी खेलना चाहिए। ''

संदेशखाली मामले के गवाह ने दुर्घटना के बाद 'सुनियोजित हत्या' का आरोप लगाया

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल के संदेशखाली में ईडी अधिकारियों पर हमले और उससे जुड़े सीबीआई मामलों के प्रमुख गवाहों में शामिल भोलानाथ घोष ने अपने बेटे और कार चालक की मौत के एक दिन बाद बृहस्पतिवार को 'सुनियोजित हत्या' का आरोप लगाते हुए पुलिस में शिकायत दर्ज कराई, जिससे साजिश की अटकलें तेज हो गईं।

घोष ने अपनी शिकायत में आठ लोगों का नाम लिया है और अपने वकील कालीचरण मंडल के साथ पश्चिम बंगाल के उत्तरी 24 परगना जिले के नाज़ात स्थित राजबारी पुलिस चौकी पर शिकायत दर्ज कराने पहुंचे।

पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज होने की पुष्टि की, लेकिन आरोपियों के नाम बताने से इनकार कर दिया। वहीं, इस बात पर सवाल उठ रहे हैं कि क्या जेल में बंद तृणमूल नेता शेख शाहजहां का नाम भी इसमें शामिल है।

वरिष्ठ जिला पुलिस अधिकारियों ने इस संभावना को सिरे से खारिज नहीं किया और केवल इतना कहा कि सभी विवरण जांच का हिस्सा होंगे।

सुविचार

इंसान हमेशा अपने भाग्य को कोसता है यह जानते हुए भी कि भाग्य से भी ऊंचा उसका कर्म है, जो उसके स्वयं के हाथों में है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

लालच और अज्ञान, छीन रहे जान

भारत के वैज्ञानिक जहां अपने ज्ञान से दुनिया में नाम कमा रहे हैं, वहीं कुछ भारतीय नागरिक अपने अंधविश्वास के कारण देश की प्रतिष्ठा धूमिल कर रहे हैं। इस साल ऐसी कई घटनाएं हुईं, जब अंधविश्वास में डूबे लोग अपने कारनामों के साथ सोशल मीडिया पर छाए रहे। अब छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में एक फार्म हाउस से कारोबारी समेत तीन लोगों के शव बरामद किए गए हैं, जिनके बारे में आशंका है कि उन्हें किसी तांत्रिक ने धन दुगुना करने का झांसा दिया था। पुलिस ने तांत्रिक समेत चार संदिग्धों को पकड़ा है। लालच और अज्ञान ने तीन लोगों की जान ले ली। क्या कोई अक्लमंद इन्सान इस बात पर विश्वास करेगा कि तंत्र क्रिया की मदद से रातोंरात धन दुगुना किया जा सकता है? अगर ऐसा संभव होता तो सरकारों को गरीबी दूर करने के लिए इतनी योजनाएं चलाने की क्या जरूरत थी? वे अर्थशास्त्रियों, विशेषज्ञों की मदद लेने की जगह पूरा ठेका ऐसे ही किसी तांत्रिक को दे देतीं! कुछ साल पहले बसों, ट्रेनों, सार्वजनिक शौचालयों आदि में ऐसे लोगों के विज्ञापन खूब दिखाई देते थे, जो घर बैठे ही सारी समस्याएं दूर करने का दावा करते थे। आज भी ऐसे विज्ञापन दिखाई देते हैं। इनसे आम लोगों की समस्याएं दूर हों या न हों, विज्ञापन देने वाले शख्स की समस्याएं जरूर दूर हो जाती हैं। वह लोगों से खूब रुपए ऐंठता है। हाल में झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम जिले में जादू-टोना के शक में एक महिला की हत्या कर दी गई थी। मेघालय के पूर्वी खासी हिल जिले में लगभग 200 लोगों की भीड़ ने जादू-टोना करने के शक में एक परिवार पर हमला बोल दिया था। सोचिए, अंधविश्वास में पड़ने के बाद लोगों की सोचने-समझने की क्षमता कहां चली जाती है?

इसी साल जून में राजस्थान के बीकानेर जिले में एक तांत्रिक ने चमत्कार के नाम पर चार लोगों को झांसा दिया और लगभग 50 लाख रुपए लेकर भाग गया था। उसने कोई नशीला पदार्थ खिलाया था, जिससे तीन लोगों की मौत हुई थी। जून में ही गुजरात के बनासकांठा में एक बुज़ुर्ग दंपति की इसलिए बलि दे दी गई, क्योंकि कुछ लोगों का विश्वास था कि इससे उन्हें धन प्राप्त होगा। जुलाई में बिहार के पूर्णिया जिले में जादू-टोना के शक में एक परिवार के पांच सदस्यों को जिंदा जला दिया गया था। उत्तर प्रदेश के गाजीपुर में भूत-प्रेत की अफवाह के कारण एक व्यक्ति की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई थी। झारखंड के लातेहार में एक महिला को डायन होने के शक में मौत के घाट उतार दिया गया था। घटना में उसके पति की भी जान चली गई थी। राजस्थान में झुंझुनूं जिले का एक छात्र कुसंगति में पड़ने के कारण पढ़ाई पर बिल्कुल ध्यान नहीं देता था। एक दिन उसने किसी 'चमत्कारी' शख्स का विज्ञापन देखा- 'सभी मनोकामनाएं पूरी होंगी, बस यह दिव्य माला पहन लें।' उसने रुपए भेजकर वह माला मंगवा ली। वह उसे गले में पहनकर घूमता रहता था। उसने पढ़ाई से पूरी तरह दूरी बना ली थी। उसे विश्वास था कि 'दिव्य माला' जरूर कोई कमाल करेगी। जब परीक्षा परिणाम आया तो वह फेल हो गया। तब उसे पता चला कि चमत्कार के नाम पर उसके साथ धोखा हुआ है। मध्य प्रदेश के दमोह में एक शख्स सोशल मीडिया पर ऐसे वीडियो डालता, जिनमें वह रुपयों की बारिश करता नजर आता था। उसके वीडियो देखकर तीन लोगों ने उसे इस शर्त पर तीन-तीन लाख रुपए दिए कि वह उन्हें दुगुने करके देगा। वह शख्स उनके रुपए लेकर नौ-दो ग्यारह हो गया। ऐसे शातिर लोगों को भारत में शिकार आसानी से मिल जाते हैं। कभी मोटी कमाई, तो कभी डर के कारण जनता ऐसे पाखंडियों के जाल में फंसती रहती है। इनसे दूर रहने में ही भलाई है।

ट्वीटर टॉक

सचिवालय में पर्यटन विभाग की बैठक लेकर राजस्थान की सांस्कृतिक धरोहर, विरासत और पर्यटन विभाग के कार्यों के क्रियान्वयन और प्रगति की समीक्षा की। पिछले दो वर्षों में राजस्थान पर्यटन अभूतपूर्व गति से आगे बढ़ा है और पर्यटन मानचित्र पर अपनी विशेष पहचान स्थापित कर चुका है।

-दिया कुमारी

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के तृतीय सरसंघचालक बालासाहेब देवरस की जयंती पर कोटिश: नमन! वे परंपरा, सेवा और धर्म को मानव कल्याण की पूंजी मानते थे। उनका जीवन इन तत्वों के समन्वय का उदाहरण रहा। उनके आदर्श और विचार हमें आलोकित करते रहेंगे।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

तलवाड़ा-त्रिपुरा सुंदरी जैसे धार्मिक स्थल के महत्वपूर्ण मार्ग पर भी अव्यवस्था है। वित्तीय वर्ष खत्म होने में मात्र 3 महीने बचे हैं और जनता धूल व जाम से जूझ रही है। क्या यही है 'डबल इंजन' की रफ्तार है? क्या आदिवासी इलाके के साथ जानबूझकर ऐसा उपेक्षित व्यवहार किया जा रहा है।

-अशोक गहलोत

प्रेरक प्रसंग

परोपकार का आनंद

भारद्वाज के वंश में जन्मे रंतिदेव का नियम था कि भाग्य से उन्हें जो मिलता, उसमें से कुछ दूसरों को दे देते और बचे हुए से अपना और परिवार का पेट पाल लेते। एक बार उन्हें कई दिन तक कुछ खाने-पीने को नहीं मिला। उन्होंने धीरज नहीं खोया। अंत में उन्हें खाना व पानी दोनों चीजें मिली। दूसरों को बांटकर ज्यों ही वह खाने को बैठे एक भूखा ब्राह्मण आ गया। रंतिदेव ने उसे जिमा दिया। बचे हुए भोजन को वे खाने बैठे तो एक और भूखा आदमी आ निकला। रंतिदेव ने उसे भी खाना खिला दिया। उसके बाद जो थोड़ा-बहुत बचा, उसे वे खाने को हुए कि एक अन्य अतिथि कुछ कुत्तों समेत आ पहुंचा। रंतिदेव के पास जो कुछ बचा था, वह सब उनको खिला दिया। अब उनके पास सिर्फ थोड़ा पानी रह गया था। इतने लोगों को जिमाकर वे खुश हो रहे थे। 'मेरा क्या है, मैं पानी से गुजर कर लूंगा।' यह सोचकर वे जैसे ही पानी पीने को हुए कि एक प्यासा व्यक्ति आ गया, जिसकी जुबान सूख रही थी। उसे देख रंतिदेव ने मन में सोचा, 'हे भगवान, यह बेचारा बिना पानी के मरा जा रहा है। प्रभु मुझे शक्ति दे कि मैं भूखे-प्यासों को कुछ खिलाता-पिलाता रहूं, ताकि उन बेचारों को कुछ सहारा मिल सके।'

सामयिक

इंडिगो संकट : आसमान पर बढ़ता एकाधिकार

नृपेन्द्र अभिषेक नृप
मोबाइल : 9955818270

भारत के विमानन क्षेत्र में हाल ही में पैदा हुए संकट, जिसकी जड़ें मुख्यत: इंडिगो से जुड़े मामलों में दिखाई देती हैं, ने एक बार फिर यह सच उजागर कर दिया है कि किसी भी क्षेत्र में अत्यधिक बाज़ार एकाधिकार कितना बड़ा जोखिम बन सकता है। पिछले एक दशक में इंडिगो ने भारतीय आसमानों में अपना दबदबा इस कदर स्थापित कर लिया है कि उसकी बाज़ार हिस्सेदारी ने उसे न केवल सबसे बड़ा खिलाड़ी बना दिया है, बल्कि उसे ऐसे प्रभावशाली स्थान पर बैठा दिया है जहाँ उसकी आंतरिक कमज़ोरियाँ भी पूरे विमानन क्षेत्र को प्रभावित करने लगती हैं। इंडिगो की तेज़ी से बढ़ती नेटवर्क क्षमता, प्रतिस्पर्धी किराए और परिचालन कुशलताओं ने इसे शीर्ष तक पहुँचाया, परंतु हालिया व्यवधान यह दर्शाते हैं कि किसी एक कंपनी का बेइंतहा शक्तिशाली हो जाना पूरे पारिस्थितिकी तंत्र को अस्थिर कर सकता है। इससे जवाबदेही, नियामकीय सतर्कता और प्रतिस्पर्धा की सेहत से जुड़े गंभीर सवाल खड़े होते हैं।

इस पूरे विवाद के केंद्र में डीजीसीए (नागरिक उड्डयन महानिदेशालय) द्वारा जारी किए गए नए फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिटेशन (एफडीटीएल) नियम हैं। इन नियमों का उद्देश्य पायलटों और केबिन क्रू को पर्याप्त विश्राम देना है, ताकि थकान से जुड़े जोखिमों को रोका जा सके। दुनिया भर में विमानन नियामक इस विषय पर सख़्त होते जा रहे हैं क्योंकि लगातार उड़ानें भरने के कारण क्रू पर काम का दबाव बढ़ रहा है और प्रशिक्षित पायलटों की कमी एक वैश्विक समस्या बन चुकी है। भारत में भी सभी एयरलाइनों को पहले से पर्याप्त समय दिया गया था ताकि वे नए नियमों के अनुरूप अपनी स्टाफिंग और शेड्यूलिंग ठीक कर सकें। इसके बावजूद यह सामने आया कि इंडिगो समेत कई एयरलाइंस आवश्यक तैयारियाँ करने में पिछड़ गईं। इसी कारण उड़ानों में देरी, रद्दीकरण और अव्यवस्था की स्थितियाँ तेज़ी से बढ़ने लगीं, जिसका खामियाज़ा लाखों यात्रियों को भुगतना पड़ा।

समस्या की गंभीरता को देखते हुए सरकार ने एक समिति बनाई, ताकि सभी हितधारकों से बातचीत कर समाधान खोजा जा सके। लेकिन असली प्रश्न इंडिगो की तैयारी को लेकर ही उठे। देश का सबसे बड़ा बेड़ा, सबसे अधिक उड़ानें और सबसे व्यापक नेटवर्क रखने वाली इस एयरलाइन का किसी भी महत्वपूर्ण नियम पर देर से प्रतिक्रिया देना सीधे तौर पर पूरे उद्योग को प्रभावित करता है। कुछ विश्लेषकों का मानना है कि इंडिगो ने जानबूझकर नियमों के अनुरूप तैयारी धीमी की, ताकि वह नियामकों पर दबाव बना सके या कुछ रियायतें हासिल कर सके। यह अनुमान कितना सही है, यह भले ही स्पष्ट न हो, पर यह तथ्य निर्विवाद है कि उसकी तैयारी में कमी ने संकट को कई गुना बढ़ा दिया।

इंडिगो की बाज़ार हिस्सेदारी इस समस्या को और जटिल बना देती है। भारतीय घरेलू विमानन बाजार का लगभग 65 प्रतिशत हिस्सा अकेले इंडिगो के पास है। 417 से अधिक विमानों के उसके विशाल बेड़े से प्रतिदिन करीब 2200 उड़ानें संचालित होती हैं। ऐसे में यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगा कि इंडिगो भारत की घरेलू हवाई यात्रा की रीढ़ बन चुकी है। लेकिन यही स्थिति सबसे बड़ा जोखिम भी है। जब किसी एक कंपनी का प्रभाव इतना व्यापक हो जाए, तो उसकी किसी भी स्तर की कमी या कुप्रबंधन का असर केवल उसके यात्रियों पर नहीं, बल्कि पूरे देश के विमानन संचालन, एयरपोर्ट प्रबंधन और सप्लाई चेन पर पड़ने लगता है। यह निर्भरता बाज़ार की मजबूती को कम करती है और उसे किसी भी संकट के समय बेहद संवेदनशील बना देती है। इस संदर्भ में संभावित एकाधिकारवादी व्यवहार को लेकर उठे प्रश्न स्वाभाविक हैं। विमानन क्षेत्र में प्रवेश करना आसान नहीं होता उच्च पूंजी, सख़्त नियम, सीमित स्लॉट और उच्च परिचालन लागत जैसे कारक नई कंपनियों के लिए बड़ी बाधाएँ हैं। ऐसे में किसी एक खिलाड़ी का अत्यधिक बड़ा होना प्रतिस्पर्धा को दबा सकता है और ग्राहकों की पसंद को सीमित कर सकता है। यदि कोई कंपनी अपने प्रभाव का उपयोग नियमों को प्रभावित करने या संचालन में अनुचित लाभ उठाने के लिए करने लगे, तो यह देश की दीर्घकालिक नीतियों और उपभोक्ता हितों के लिए हानिकारक हो सकता है। मौजूदा संकट इसी बात की याद दिलाता है कि क्या भारत को किसी भी निजी एयरलाइन को इतना बड़ा बनने देना चाहिए कि उसकी चूकें राष्ट्रीय स्तर पर अस्थिरता पैदा कर दें?

वास्तव में यह स्थिति भारत के लिए चेतावनी भी है और सुधार का अवसर भी। यदि सही कदम उठाए जाएँ, तो भारत अपने विमानन क्षेत्र को अधिक सुरक्षित, अधिक प्रतिस्पर्धी और अधिक संतुलित बना सकता है। देश को ऐसे आसमान चाहिए जो आत्मविश्वास दें, न कि चिंता। यह तभी संभव है जब एयरलाइंस, नियामक और नीति-निर्माता मिलकर ज़िम्मेदारी से आगे बढ़ें।

यात्रियों को तुरंत राहत देने के उद्देश्य से सरकार ने अस्थायी रूप से नए नियमों में कुछ ढील भी दी है। यह कदम यात्रियों की परेशानी कम करने के लिए उपयुक्त था, क्योंकि अचानक सैकड़ों उड़ानें रद्द होने का खतरा बढ़ गया था। लेकिन ऐसे अस्थायी उपाय स्थायी न बन जाएँ, इसका विशेष ध्यान रखना होगा। पायलटों के विश्राम से जुड़े नियम सुरक्षा के लिए बनाए जाते हैं, न कि किसी एयरलाइन की तैयारी की कमी को ढकने के लिए। भारत को अंतरराष्ट्रीय विमानन सुरक्षा मानकों के अनुरूप रहना है और इसके लिए आवश्यक है कि पायलटों को उचित आराम, वैज्ञानिक कार्य-घंटे और सुरक्षित कामकाज का माहौल मिले। यह न केवल सुरक्षा के लिए ज़रूरी है, बल्कि भारत की अंतरराष्ट्रीय विमानन छवि को बनाए रखने के लिए भी अनिवार्य है।

सरकार ने इंडिगो से जवाबदेही तय करने के लिए स्पष्टीकरण मांगा है, जो कि पूर्णतः उचित है। लेकिन इस घटना का दायरा केवल इतनी भर बात तक सीमित नहीं है कि कंपनी ने नियमों का पालन देर से क्यों किया। असल मुद्दा यह है कि सार्वजनिक बुनियादी ढांचे का इतना बड़ा हिस्सा जब किसी निजी इकाई पर निर्भर हो, तो उसकी रणनीतियों और तैयारियों का पारदर्शी मूल्यांकन होना चाहिए। यदि कंपनी को पहले से पता था कि नए नियम लागू होंगे, तो अतिरिक्त पायलटों और क्रू की भर्ती समय से क्यों नहीं की गई? क्या नियामकों को स्थिति की असली तस्वीर समय रहते बताई गई? यदि नहीं, तो यह लापरवाही है या गहन प्रबंधकीय कमी? इस पूरे मामले ने डीजीसीए की निगरानी प्रणाली को भी आईना दिखाया है। एक आधुनिक और जटिल विमानन उद्योग में केवल कागज़ी निगरानी पर्याप्त नहीं होती। आवश्यकता है कि नियामकों के पास तकनीक आधारित रीयल-टाइम मॉनिटरिंग, डाटा विश्लेषण और चेतावनी तंत्र मौजूद हों, ताकि किसी भी संभावित संकट को बहुत पहले पहचाना जा सके। यदि नियामक संस्थाएँ भविष्यवाणी-आधारित निगरानी विकसित नहीं करेंगी, तो ऐसे संकट बार-बार सामने आएँगे।

मौजूदा संकट यह भी स्पष्ट करता है कि किसी भी क्षेत्र में अत्यधिक एकाधिकार खतरनाक हो सकता है। यह प्रतिस्पर्धा को कमजोर करता है, नवाचार को बाधित करता है और उपभोक्ताओं को सीमित विकल्पों में जकड़ देता है। लेकिन इससे भी बड़ा जोखिम यह है कि पूरा सिस्टम एक ही बिंदु पर निर्भर हो जाता है। स्वस्थ बाज़ार वही होता है जहाँ कई खिलाड़ी मौजूद हों, जिनसे सेवाओं की गुणवत्ता बढ़ती है, विकल्प मिलते हैं और जोखिम विभाजित रहते हैं। भारत के विमानन क्षेत्र के दीर्घकालिक हित इसी में हैं कि बाज़ार संतुलित रहे और किसी भी एयरलाइन के पास इतना अधिक शक्ति-संतुलन न हो कि वह पूरे उद्योग को प्रभावित करने लगे।

यात्री जो इस पूरे उद्योग के केंद्र में हैं, उनके लिए सबसे बड़ा मुद्दा है विश्वसनीयता, सुरक्षा और सेवा की गुणवत्ता। लगातार रद्द होने वाली उड़ानें, समय पर उड़ान न भरना, और किन्हीं आंतरिक समस्याओं के कारण हुए अव्यवस्था के हालात भारत की उभरती अर्थव्यवस्था की छवि को नुकसान पहुँचाते हैं। भारत तेजी से बढ़ता हुआ देश है और हवाई यात्रा यहाँ आने वाले वर्षों में और अधिक आवश्यक होगी। इसलिए ज़रूरत है एक ऐसे विमानन पारिस्थितिकी तंत्र की जिसे संकट झेलने की सामर्थ्य हो, जो पारदर्शी, सुरक्षित और यात्री-केंद्रित हो। आने वाले समय में, नीति-निर्माताओं को यह सुनिश्चित करने के लिए ठोस कदम उठाने होंगे कि कोई भी एयरलाइन अत्यधिक बाज़ार नियंत्रण न हासिल कर सके। नए खिलाड़ियों को प्रोत्साहन, छोटे कैरियर्स को समर्थन, और प्रतिस्पर्धा को मजबूत करने वाले कानून इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। उद्देश्य यह नहीं है कि सफल कंपनियों को रोका जाए, बल्कि यह कि उनकी सफलता उद्योग और उपभोक्ता हितों को नुकसान न पहुँचाए। दूसरी ओर, एयरलाइनों को भी यह समझना होगा कि वे केवल एक व्यावसायिक संस्था भर नहीं हैं। वे देश की सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था का अहम हिस्सा हैं। इसलिए जब उनका आकार बड़ा होता है, तो उनकी ज़िम्मेदारियाँ भी बढ़ती हैं सुरक्षा नियमों का पालन, कर्मचारियों को उचित सुविधाएँ, समय से परिचालन, पारदर्शिता और यात्रियों के हितों को सर्वोच्च रखना, ये सभी अनिवार्य पक्ष हैं।

वास्तव में यह स्थिति भारत के लिए चेतावनी भी है और सुधार का अवसर भी। यदि सही कदम उठाए जाएँ, तो भारत अपने विमानन क्षेत्र को अधिक सुरक्षित, अधिक प्रतिस्पर्धी और अधिक संतुलित बना सकता है। देश को ऐसे आसमान चाहिए जो आत्मविश्वास दें, न कि चिंता। यह तभी संभव है जब एयरलाइंस, नियामक और नीति-निर्माता मिलकर ज़िम्मेदारी से आगे बढ़ें।

नजरिया

यूनेस्को ने दीपावली को विश्व धरोहर घोषित किया

ललित गर्ग
मोबाइल : 9811051133

यूनेस्को द्वारा दीपावली को अमूर्त विश्व धरोहर घोषित किया जाना भारत की सांस्कृतिक चेतना का ऐसा महत्त्वपूर्ण क्षण है, जो न केवल भारतीयों को गौरवान्वित करता है बल्कि यह सिद्ध करता है कि भारतीय सभ्यता की आत्मा आज भी मानवता का मार्गदर्शन करने की क्षमता रखती है। दीपावली मात्र एक त्योहार नहीं, बल्कि जीवन, आत्मा, संबंध, समरसता और विश्वबंधुत्व का प्रकाशग्रंथ है। यह वह विरासत है जो हजारों वर्षों से मानव को अंधकार से प्रकाश, अज्ञान से ज्ञान, ईर्ष्या से प्रेम और भय से विश्वास की यात्रा पर ले जाती रही है। दीपावली की महिमा को समझना अर्थात भारतीय संस्कृति की गहराई को समझना। यह संस्कृति केवल मंदिरों, शास्त्रों, उत्सवों और अनुष्ठानों में नहीं बसती, बल्कि मनुष्य की स्मृति, संवेदना, आस्था और जीवन व्यवहार में प्रवाहित होती है। इसीलिए इसे अमूर्त' कहा जाता है, क्योंकि यह मूर्त नहीं, परंतु सबसे अधिक जीवंत है। दीपावली इसी जीवंतता का सर्वोच्च उत्सव है।

जब अयोध्या की रामपैड़ी पर 26.17 लाख दीपकों ने एक साथ जगमग कर दुनिया को चमत्कृत किया, तब वह दृश्य सिर्फ दीयों का समुद्र नहीं था, बल्कि भारत की सांस्कृतिक रोशनी का वैश्विक उद्घोष था, एक ऐसा उद्घोष जिसने दुनिया को यह विश्वास कराया कि भारत की परंपराएं आज भी सार्वभौमिक प्रेरणा शक्ति हैं। यूनेस्को का निर्णय इसी चमत्कार की परिणति है। दीपावली के केंद्र में केवल पूजा-पाठ नहीं, बल्कि जीवन का दर्शन है। यह पर्व मनुष्य को याद दिलाता है कि हर कठिनाई, हर पीड़ा, हर अंधकार के भीतर एक दीप जलने की संभावना छिपी होती है। हिंदू, जैन, बौद्ध और सिख परंपराओं में दीपावली का अलग-अलग महत्व है, मगर संदेश एक ही है, प्रकाश का मार्ग ही मानवता का मार्ग है। यही अखंड संदेश अब विश्व स्तर पर मान्यता पा रहा है। भारत की अमूर्त सांस्कृतिक धरोहरें सदैव मानव-कल्याण की प्रेरक रही हैं। कुंभ, वैदिक मंत्रोच्चार, रामलीला, योग, दुर्गा पूजा जैसी परंपराएँ पहले से विश्व धरोहर सूची में शामिल रही हैं। दीपावली के जुड़ने से यह सूची और उज्ज्वल हुई है। दीपावली यूनेस्को के उस उद्देश्य को पूर्ण रूप देती है जिसमें कहा गया है कि मानवता की सबसे बड़ी शक्तियाँ वे परंपराएँ हैं जो समय के साथ खो न जाएँ। दीपावली भारतीय समाज की आर्थिक, सामाजिक और मानवीय संरचना को एक गहरा संदेश देती है। एक छोटा कुम्हार, जो अपने हाथों से दीए बनाता है, उसी दीये की रोशनी से करोड़ों घर रोशन होते हैं। एक छोटे व्यापारी की दुकान भी दीपावली पर उतनी ही महत्वपूर्ण होती है जितनी एक बड़ी कंपनी की। यह त्योहार बताता है कि समाज प्रकाश तभी बनता है जब हर व्यक्ति के जीवन में रोशनी पहुंचे। इसीलिए यह उत्सव भारतीय सामुदायिक चेतना का उत्सव है, समता और समान अवसरों का उत्सव है।

दुनिया आज विभाजन, युद्ध, तनाव, भौतिक लालच और मानसिक अंधकार से जूझ रही है। ऐसे समय में दीपावली का संदेश पहले से अधिक प्रासंगिक है कि एक दीप की लौ किसी भी गहन अंधकार को चुनौती दे सकती है। भारत ने सदियों से दुनिया को यही बताया है कि नैतिक साहस, सद्भाव, शांति और आध्यात्मिक ऊर्जा ही सभ्यताओं को टिकाऊ बनाती है। दीपावली इस सत्य का प्रत्यक्ष प्रतीक है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आधुनिक सोच और सांस्कृतिक कूटनीति ने भारत की इन अवधारणाओं को दुनिया के सामने नई ऊर्जा के साथ स्थापित किया है। योग की वैश्विक मान्यता हो, आयुर्वेद का उभार हो, रामायण सम्मेलन हों या भारतीय त्योहारों का अंतरराष्ट्रीयकरण, यह सब भारत की सॉफ्ट पावर की विजय है। दीपावली को यूनेस्को सूची में शामिल किया जाना इसी सॉफ्ट पावर की अगली खूबसूरत सीढ़ी है। मोदी का वसुधैव कुटुंबकम का मंत्र अब भारत की विदेश नीति ही नहीं, बल्कि विश्व-दृष्टि बन चुका है। इसी भावना ने जी20 से लेकर वैश्विक मंचों पर भारत की पहचान को मजबूत किया है। दीपावली का वैश्विक सम्मान इसी मंत्र का विस्तार है, क्योंकि यह त्योहार हर मानव को यह याद दिलाता है कि दुनिया एक है, पीड़ा साझा है, और आनंद भी साझा होना चाहिए। दीपावली केवल आध्यात्मिक पर्व नहीं, बल्कि सांस्कृतिक मनोविज्ञान भी है। यह मन को खाली नहीं करती, उसे भरती है, उसे बुझाती नहीं, उसे जगाती है। दीपावली मन की धूल झाड़ने, जीवन के प्रति नई आशा जगाने और अपने भीतर छिपे प्रकाश को पहचानने का अवसर है। यही कारण है कि इसे विश्व धरोहर घोषित करना पूरी मानवता के आध्यात्मिक भविष्य को मान्यता देना है। वैश्वीकरण के प्रभाव ने दुनिया को तकनीकी रूप से भले ही जोड़ा हो, पर मानसिक रूप से विभाजन बढ़ा दिया है। ऐसे में भारत की सांस्कृतिक विविधता, विशेषकर दीपावली जैसी परंपराएँ, सभ्यताओं के बीच एक दार्शनिक पुल का काम करती हैं। ये त्योहार दुनिया को यह बताते हैं कि जीवन केवल उपभोग नहीं, संवेदना है, केवल प्रगति नहीं, समरसता है, केवल विकास नहीं, मूल्य भी हैं। यूनेस्को की घोषणा के बाद अब दुनिया दीपावली को केवल भारतीय या धार्मिक त्योहार के रूप में नहीं देखेगी, बल्कि इसे वैश्विक नैतिक चेतना के रूप में स्वीकार करेगी। यह उस विरासत का सम्मान है जो अतीत से चली आ रही है पर भविष्य को दिशा देती है। यह भारत की उस आध्यात्मिक शक्ति का प्रमाण है जिसे दुनिया युगों से सम्मान देती आई है। अब यह भी हमारा दायित्व है कि दीपावली की इस उज्ज्वल विरासत को हम और अधिक संवारे, संजोएं और इसे केवल उत्सव के रूप में नहीं, बल्कि जीवन-दर्शन के रूप में अपनाएं। जब हम अपने भीतर एक दीप जलाते हैं, तो उसके प्रकाश में पूरी दुनिया का मार्गदर्शन संभव होता है, यही भारतीय संस्कृति की शक्ति है, यही दीपावली की महिमा है।

निस्संदेह, दीपावली का वैश्विक होना भारत की सांस्कृतिक आत्मा की विजय है। यह वह क्षण है जो बताता है कि भारत केवल एक भू-राजनीतिक शक्ति नहीं, बल्कि मानवता का आध्यात्मिक मार्गदर्शक भी है। आने वाले समय में यह प्रकाश दुनिया के हर कोने तक पहुंचे, यही दीपावली का संदेश और भारत की सांस्कृतिक जिम्मेदारी है। दीपों का यह उत्सव अब केवल भारत का नहीं रहाकृअब यह मानवता का उत्सव है, और भारत की यह रोशनी आने वाले समय में वैश्विक चेतना का नया सूरज बनकर उदित होगी।

महत्त्वपूर्ण
Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ट्रंप ने अगर रुख नहीं बदला तो वह भारत को खो देने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति बन जाएंगे: अमेरिकी सांसद

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन/भाषा

अमेरिका की एक सांसद ने कहा है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की भारत के प्रति नीतियां रणनीतिक भरोसे और पारस्परिक समझ को वास्तविक व स्थायी नुकसान पहुंचा रही हैं। उन्होंने कहा कि द्विपक्षीय संबंधों को हुए नुकसान को कम करने के लिए वॉशिंगटन को 'अविश्वसनीय तत्परता' के साथ कदम उठाने होंगे। कैलिफोर्निया से डेमोक्रेटिक पार्टी की सांसद सिडनी कैमलेजर-डॉव ने कहा ...अगर ट्रंप अपनी नीति में बदलाव नहीं करते, तो वह भारत को खो देने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति बन जाएंगे। और ज्यादा साफतौर पर कहा जाए तो उन्होंने भारत को दूर कर दिया जबकि रूसी साम्राज्य को सशक्त किया। उन्होंने ट्रांसअटलांटिक गठबंधन को तोड़ा है और लातिन अमेरिका को खतरे में डाला है। यह वह विरासत नहीं है जिसपर किसी राष्ट्रपति को गर्व होना चाहिए।

उन्होंने कहा, जब इतिहास की किताबें लिखी जाएंगी और बताया जाएगा कि भारत के प्रति ट्रंप की शत्रुता कहां से शुरू हुई, तो वे किसी ऐसी चीज की ओर इशारा करेंगी जिसका हमारे दीर्घकालिक रणनीतिक हितों से कोई लेना-देना नहीं है। यह चीज है उनका नोबेल शांति पुरस्कार को लेकर व्यक्तिगत जुनून। यह भले ही हास्यास्पद हो, लेकिन इसका जो नुकसान होगा, उसे बिल्कुल भी हल्के में नहीं लिया जा सकता। ट्रंप ने कहा है कि उन्हें नोबेल शांति पुरस्कार मिलना चाहिए क्योंकि उन्होंने दुनिया भर में संघर्षों को समाप्त किया, जिसमें मई में भारत और पाकिस्तान के बीच हुआ संघर्ष भी शामिल है। कैमलेजर-डॉव संसद की दक्षिण और मध्य एशिया विदेश मामलों की उप समिति की बैठक में 'यूएस-इंडिया स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप: सिक्योरिंग अ फ्री एंड ओपन इंडो-पैसिफिक' विषय पर संबोधन दे रही थीं।

कैमलेजर-डॉव ने भारत के प्रति ट्रंप की नीतियों की आलोचना की। इन नीतियों में भारत पर दुनिया में सबसे अधिक 50 प्रतिशत शुल्क लगाना, एच1बी वीज़ा पर 100,000 अमेरिकी डॉलर का शुल्क लगाना शामिल है। बड़ी संख्या में भारतीय अमेरिका में रहने और काम करने के लिए एच1बी वीजा का उपयोग करते हैं।

ब्लैक डे

गुवाहाटी में ऑल असम स्टूडेंट्स यूनियन के मेंबर गुरुवार को गुवाहाटी में सिटिज़नशिप अमेंडमेंट एक्ट के खिलाफ 'ब्लैक डे' मनाते हुए।

भारतीय सिनेमा प्रतिनिधिमंडल ने इजराइल के साथ रचनात्मक सहयोग की अपार संभावनाएं व्यक्ति कीं

यरूशलम/भाषा

इजराइल का दौरा कर रहे भारतीय सिनेमा जगत के एक प्रतिनिधिमंडल दोनों देशों के बीच सिनेमा के माध्यम से सांस्कृतिक संबंधों को और मजबूत बनाने के लिए रचनात्मक सहयोग की अपार संभावनाएं व्यक्त कीं। इजराइल की अपार विविधता और फिल्म निर्माण के क्षेत्र में उसकी ताकत को प्रदर्शित करने के लिए प्रतिनिधिमंडल की इस यात्रा की व्यवस्था की गई थी ताकि इजराइल भारतीय फिल्म निर्माताओं को सहयोग के लिए आकर्षित कर सके।

शनिवार को शुरू हुई छह दिवसीय यात्रा ऐसे समय में हो रही है जब इजराइल सात अक्टूबर 2023 को हुए आतंकवादी हमले के दर्द और उसके बाद दो साल से अधिक समय से जारी युद्ध से जूझ रहा है। नयी दिल्ली में स्थित भारत पर्यावास केन्द्र (इंडिया हैबिटेट सेंटर) के निदेशक के. जी. सुरेश ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, हमारे प्रतिनिधिमंडल को दोनों देशों के बीच रचनात्मक सहयोग की अपार संभावनाएं दिखी हैं। सिनेमा दिल और दिमाग को जोड़ने की शक्ति रखता है और हम इस क्षेत्र में दोनों देशों के बीच सहयोग को लेकर उत्सुक हैं।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी नई दिल्ली में कांग्रेस जनरल सेक्रेटरी प्रियंका गांधी वाड्रा से मिलते हुए।

मोरक्को के फेज शहर में दो इमारतें ढही, 22 लोगों की मौत

रबात/एपी

मोरक्को के फेज शहर में रात में दो बहुमंजिला इमारतों के ढहने से 22 लोगों की मौत हो गई। इस साल यहां इमारतों के ढहने की यह दूसरी घटना है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। मोरक्को की सरकारी समाचार एजेंसी एमएपी के अनुसार, प्रभावित चार मंजिला आवासीय इमारतों में कुल आठ परिवार रहते थे। इस हादसे में 16 लोग घायल हो गए और उन्हें नजदीकी अस्पताल में उपचार के लिए भेजा गया। अधिकारियों ने बताया कि पूरे इलाके को खाली करा लिया गया है और खोज एवं बचाव अभियान जारी है। यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि इमारत गिरने का कारण क्या था और कितने लोग लापता हैं। अधिकारियों ने बताया कि मामले की जांच शुरू कर दी गई है। एमएपी ने बताया कि इन संरचनाओं का निर्माण 2006 में 'झुग्गी-झोपड़ियों से मुक्त शहर' नामक एक पहल के दौरान किया गया था।

मीटिंग

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी गुरुवार को पश्चिम बंगाल के कृष्णानगर में एक पब्लिक मीटिंग को संबोधन करने से पहले पहले कलाकारों के साथ।।

'धुरंधर' का धमाकेदार गाना शरारत हुआ रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

जब धुरंधर को लेकर शानदार समीक्षाएँ और रिकॉर्ड तोड़ बॉक्स ऑफिस कलेक्शन लगातार सामने आ रहे हैं, यह एक्शन स्पाई थ्रिलर ज़बरदस्त वर्ड-ऑफ-माउथ के दम पर लगातार नई ऊँचाइयाँ छू रही है। इसी सफलता की लहर को आगे बढ़ाते हुए, मेकर्स जियो स्टूडियोज़, बी62 स्टूडियोज़ और सारेगामा ने एल्बम का पाँचवा म्यूज़िक वीडियो, रंगों और जश्न से भरा धमाकेदार ट्रैक शरारत जारी किया है। शादी के सीज़न में, शरारत एक परफेक्ट फेस्टिव बैंगर बनकर आई है हाई-एनर्जी, रंगीन, और नटखट रोमांस से भरपूर। यह गाना भारतीय शादियों की खुशियों से भरी अफरातफरी को बेहतरीन तरीके से कैद करता है, और तुरंत ही इस सीज़न का सबसे बड़ा सेलिब्रेशन सॉन्ग बन जाता है। इस गाने की सबसे बड़ी ताकत हैं जेस्मिन सैंडलस और मधुबंती बागची की पॉवरहाउस आवाज़ें, जो मिलकर गीत को एक नए स्तर पर ले जाती हैं। गीतकार जेस्मिन सैंडलस और शशवत सचदेव ने मिलकर ऐसे बोल रचे हैं जो छेड़छाड़ भरे नटखट अंदाज़ और कैची रिद्म का कमाल मिश्रण पेश करते हैंजिस पर थिरके बिना रहा ही नहीं जाता। कंपोज़र शशवत सचदेव एक बार फिर अपनी बहुमुखी प्रतिभा साबित करते हैं। शरारत को जोड़कर वे धुरंधर के पहले से ही डायनेमिक और जॉनर-विविध एल्बम को और मज़बूत करते हैं, जो देशभर की प्लेलिस्ट्स में छाया हुआ है।

विजय गांगुली द्वारा कोरियोग्राफ किए गए इस म्यूज़िक वीडियो में एक शानदार लाइनअप नज़र आता है आयशा खान, क्रिस्टल डी'सूज़ा, जेस्मिन सैंडलस, मधुबंती बागची, रणवीर सिंह, अक्षय खन्ना और अर्जुन रामपाल। सोशल मीडिया पर रणवीर सिंह और अक्षय खन्ना की कैमिस्ट्री और उनकी अनफ़िल्टर्ड मस्ती पहले ही फैंस के बीच नई उत्सुकता जगा चुकी है, जिससे गाने को लेकर और भी बज़ बढ़ गया है। शरारत अब सभी प्रमुख संगीत प्लेटफ़ॉर्म्स पर स्ट्रीमिंग के लिए उपलब्ध है, और पूरा म्यूज़िक वीडियो सारेगामा के आधिकारिक यूट्यूब चैनल पर देखा जा सकता है। इस सीज़न के हर संगीत, उत्सव और डांस फ्लोर मोमेंट के लिए तैयार हो जाइए शरारत आपका नया गो-टू ट्रैक बनने वाला है!

फ्लॉप फिल्म देने के बाद भी चल निकला किमी काटकर का कैरियर

मुंबई/एजेन्सी

80 और 90 के दशक में अपनी बोल्डनेस और खूबसूरती की वजह से पर्दे पर राज करने वाली अभिनेत्री किमी काटकर सभी को याद होंगी। उन्हें हिंदी सिनेमा ने 'टार्जन गर्ल' का नाम दिया था। अभिताभ बच्चन की फिल्म 'हम' में उन्होंने 'जुम्मा' सॉन्ग किया था, जिसके बाद उन्हें इसी नाम से पुकारा जाने लगा। हिंदी सिनेमा में शोहरत और नाम कमाने के बाद भी एक्ट्रेस आज गोवा में गुमनाम जिंदगी जी रही हैं। किमी काटकर अपने समय की बड़ी अभिनेत्रियों में से एक थीं, जिन्होंने उस समय के लगभग हर बड़े अभिनेता के साथ काम किया था। उन्होंने शत्रुघ्न सिन्हा, गोविंदा, रजनीकांत, चंकी पांडे, जितेंद्र, धर्मेंद्र, और अनिल कपूर जैसे बड़े स्टार्स के साथ पर्दे पर काम किया। किमी काटकर का जन्म 11 दिसंबर 1965 को हुआ था। उन्होंने 20 साल की उम्र में फिल्मों में काम करना शुरू किया। एक्ट्रेस ने साल 1985 में फिल्म 'पत्थर दिल' से इंडस्ट्री में कदम रखा। फिल्म हिट रही, लेकिन सहायक भूमिका की वजह से उन्हें पहचान नहीं मिल पाई। इसी साल रिलीज हुई फिल्म 'एडवेंचर्स ऑफ टार्जन' ने एक्ट्रेस को रातों-रात फेमस कर दिया। फिल्म में किमी ने बोल्ड सीन दिए और बिकिनी पहनने से भी परहेज नहीं किया। उनकी फिल्म 'एडवेंचर्स ऑफ टार्जन' फ्लॉप रही, लेकिन फिल्म ने उन्हें 'इंडियन टार्जन गर्ल' का टाइटल दिलाया।

फ्लॉप देने के बाद भी एक्ट्रेस की झोली में बैक टू बैक फिल्में रहीं। वे 80 से 90 के दशक की सबसे बिजी अभिनेत्री के तौर पर जानी जाने लगीं। उनके लिए साल 1988-1990 बेहतरीन रहा, क्योंकि इन तीन सालों में उन्होंने 35 से ज्यादा फिल्मों में काम किया।

आलिया भट्ट ने रेड सी अंतर्राष्ट्रीय फिल्म फेस्टिवल में की शिरकत

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री आलिया भट्ट इन दिनों अपनी फिल्मों को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। उनकी एक्शन ड्रामा फिल्म 'अल्फा' जल्द ही सिनेमाघरों में दस्तक देगी। इसी बीच अभिनेत्री ने हाल ही में 'रेड सी अंतर्राष्ट्रीय फिल्म फेस्टिवल' में शिरकत की, जिसकी तस्वीरें और वीडियो उन्होंने इंस्टाग्राम पर शेयर की। वीडियो में आलिया आयोजन में सभी से मिलती और लोगों से बातचीत करती दिख रही हैं। उन्होंने पोस्ट कर लिखा, जेद्दा में एक दिन, फिल्मों के जादू का जश्न मनाते हुए। पोस्ट शेयर करने के बाद आलिया के दोस्तों, मां और साथी कलाकारों ने तुरंत प्रतिक्रिया दी और कमेंट सेक्शन में प्यार और शुभकामनाओं की बौछार कर दी। कई लोगों ने हार्ट और फायर के इमोजी कमेंट किए। सोनिया राजदान, शरवारी और टीना दत्ता ने हार्ट इमोजी के साथ तुरंत प्रतिक्रिया दी। अभिनेत्री आलिया भट्ट जल्द ही बहुचर्चित एक्शन-स्पाई थ्रिलर 'अल्फा' में शरवारी के साथ नजर आएंगी।

फिल्म को क्रिसमस के मौके पर रिलीज किया जाना था, लेकिन कुछ वजह से मेकर्स ने इसकी रिलीज डेट 17 अप्रैल 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज कर दी।

यह फिल्म यशराज फिल्म्स की बहुचर्चित स्पाई थ्रिलर (जासूसी फिल्म) है, जिसे शिव रावैल ने निर्देशित किया है। फिल्म में आलिया और शरवारी एक्शन अवतार में देखने को मिलेंगी। फिल्म में आलिया और शरवारी के अलावा, अनिल कपूर और बॉबी देओल भी अहम भूमिका में नजर आएंगे। यह यशराज फिल्म्स के स्पाई यूनिवर्स की सातवीं फिल्म होगी। ऐसा पहली बार होगा जब स्पाई यूनिवर्स में एक महिला प्रधान कहानी को दिखाया जाएगा। इस यूनिवर्स की शुरुआत सलमान खान और कैटरीना कैफ की 'टाइगर' से हुई थी। यह सुपरहिट साबित हुई थी। इसके अलावा, आलिया संजय लीला भंसाली की महत्वाकांक्षी फिल्म 'लव एंड वॉर' में भी नजर आएंगी, जिसमें उनके साथ रणबीर कपूर और विक्की कौशल जैसे दिग्गज कलाकार हैं। यह फिल्म अपनी भव्यता और भावनात्मक कहानी के लिए चर्चा में है और मार्च 2026 में रिलीज होने की उम्मीद है।

सुरभि चंदना को 'वूमेनप्रेन्योर इंडिया अवॉर्ड' मिला

मुंबई/एजेन्सी

टेलीविजन इंडस्ट्री की मशहूर अभिनेत्री सुरभि चंदना ने एक से बढ़कर एक धारावाहिकों में काम कर दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई है। अभिनेत्री को हाल ही में 'वूमेन प्रेन्योर इंडिया अवॉर्ड' से सम्मानित किया गया। इसकी बात की जानकारी सुरभि ने पोस्ट के जरिए दी। सुरभि चंदना ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक पोस्ट किया, जिसके साथ उन्होंने लिखा कि यह सम्मान उनके लिए एक शांत सा पल है, जबकि उनका पूरा करियर शांत नहीं रहा है। उन्होंने लिखा, एक्टिंग के अलावा मैंने अपना म्यूजिक लेबल फील गुड ऑरिजिनल शुरू किया और अब द सेम ब्रैंड के साथ नई कहानियां बनाने की कोशिश कर रही हूं। इन नए रास्तों ने मुझे अंदर

से बदल दिया है। अभिनेत्री ने बताया कि इस सफर में चलना बिल्कुल आसान नहीं था। उन्होंने लिखा, इस सफर को तय करने पर कई बार मुझे खुद पर शक हुआ, कई बार फिर से शुरुआत करनी पड़ी और कई बार ऐसा लगा कि अब कुछ नहीं बचेगा, लेकिन फिर भी मैंने हार नहीं मानी और चलती रही, अपना रास्ता बनाती गई। अभिनेत्री ने बताया कि जीवन में आई हर मुश्किल, नाकामी ने उन्हें बदला और हर छोटी जीत ने याद दिलाया कि यह सफर क्यों शुरू किया था? उन्होंने आखिर में लिखा, मैं इस सम्मान के लिए आभारी हूं, और उन कदमों के लिए, जो मुझे जमीन से जुड़ा महसूस कराती हैं। मैं जीवन में आने वाली कहानियों के लिए उत्साहित हूं। अभिनेत्री ने 'कुबूल है,' 'इश्कबाज,' और 'नागिन-5' जैसे धारावाहिकों में काम किया है, लेकिन अब उन्होंने टीवी की दुनिया से थोड़ी दूरी बनाते हुए प्रोडक्शन में कदम रखा है। उन्होंने प्रोडक्शन हाउस 'फील गुड ऑरिजनल्स' के बैनर तले सॉन्ग 'फर्जी' रिलीज किया था। गाने में टीवी की जानी-पहचानी एक्ट्रेस शाइनी दोशी और अभिनेता विशाल आदित्य सिंह नजर आए थे।

कपिल शर्मा 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' के चौथे सीजन के साथ दिसंबर में नेटफ्लिक्स पर वापसी करेंगे

नई दिल्ली/भाषा। मशहूर कॉमेडियन-अभिनेता कपिल शर्मा 20 दिसंबर से अपने लोकप्रिय शो 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' के चौथे सीजन के साथ नेटफ्लिक्स पर वापसी करेंगे। एक प्रेस विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गई। विज्ञप्ति के अनुसार, इस सीजन में कपिल अलग-अलग किरदारों में नजर आएंगे, जिनमें जेन-जेड बाबा, ताऊ जी, राजा और मंत्री जी शामिल हैं। यह किरदार सभी आयु वर्ग के दर्शकों को ध्यान में रखकर तैयार किए गए हैं। इस बार भी कलाकार सुनील ग्रोवर, कीकू शारदा और कृष्णा अभिषेक शो का हिस्सा होंगे। अर्चना पूरण सिंह और नवजोत सिंह सिद्धू भी नये सीजन में वापसी कर रहे हैं।

कपिल शर्मा ने कहा कि दर्शकों का प्यार ही उन्हें हर बार नया सीजन लेकर आने के लिए प्रेरित करता है। उन्होंने कहा, हर बार लगता है कि अब सब कर लिया, नए सीजन में क्या करेंगे लेकिन दर्शकों का प्यार और उम्मीद कुछ नया करने का रास्ता दिखा देती है। नेटफ्लिक्स इंडिया की सीरीज प्रमुख तान्या बामी ने कहा, 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' हमारे लिए सिर्फ एक शो नहीं है, यह भारत और विदेशों में बसे भारतीयों के लिए परिवार संग बिताए जाने वाले समय और 'नेटफ्लिक्स' देखने के समय का हिस्सा बन गया है। हम चौथे सीजन की घोषणा करते हुए बेहद खुश हैं। उन्होंने कहा, यह सीजन खास है क्योंकि इसमें कपिल कई नए किरदार में नजर आएंगे। सुनील, कृष्णा, कीकू, अर्चना और सिद्धू के साथ दर्शक इस बार 'बेस्ट ऑफ कपिल' भी देख पाएंगे।

आईएमडीबी 2025 की सूची में शीर्ष पर रही 'सैय्यारा'

मुंबई/भाषा। बॉलीवुड के नए कलाकार अहान पांडे और अनीता पड्डा अभिनीत फिल्म सैयारा सबसे लोकप्रिय फिल्मों की आईएमडीबी की वर्ष 2025 की सूची में शीर्ष पर रही। वहीं, आर्यन खान द्वारा निर्देशित पहली सीरीज द बैड्स ऑफ बॉलीवुड ने 'वेब सीरीज' सूची में पहला स्थान हासिल किया है। आईएमडीबी ने बुधवार को यह घोषणा की। फिल्मों, टेलीविजन शृंखलाओं और कलाकारों से जुड़ी जानकारी के सबसे लोकप्रिय आनलाइन स्रोतों में से एक आईएमडीबी ने सबसे लोकप्रिय भारतीय फिल्मों और शृंखलाओं की अपनी सूची जारी कीकंपनी ने एक बयान में कहा कि ये रैंकिंग आईएमडीबी के 25 करोड़ से अधिक मासिक वैश्विक 'विज़िटर्स' के 'पेज व्यूज़' पर आधारित है।इंटरनेट मूवी डेटाबेस (आईएमडीबी) की 2025 की शीर्ष 10 लोकप्रिय भारतीय फिल्मों की सूची में सबसे ऊपर 'सैयारा' है। 'सैयारा' फिल्म यश राज फिल्म्स (वाईआरएफ) द्वारा निर्मित है और इसका निर्देशन मोहित सूरी ने किया है। यह फिल्म अपनी भावनात्मक कहानी और बेहतरीन संगीत के लिए वैश्विक तौर पर चर्चा में रही।वाईआरएफ के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) अक्षय विधानी ने कहा कि फिल्म को यह पहचान मिलना अत्यधिक गर्व का क्षण है।

इसके अलावा सूची में शामिल अन्य फिल्मों में महावतार नरसिम्हा (दूसरे स्थान पर), विक्की कौशल की छावा (तीसरे स्थान पर), ऋषभ शेट्टी की कांतारा: ए लेजेंड चैप्टर 1 (चौथे स्थान पर), और रजनीकांत की कुली (पांचवे स्थान पर) शामिल है।तमिल फिल्म 'ड्रैगन' (छठे), आमिर खान की फिल्म सितारें जमीन पर (सातवें), शाहिद कपूर की फिल्म देवा (आठवें), अजय देवगन की फिल्म रेड2 (नौवें) और मलयालम फिल्म लोख चेप्टर1:चंद्र (10वें) सूची में शामिल अन्य फिल्म हैं।महावतार नरसिम्हा, आईएमडीबी की वर्षांत भारतीय रैंकिंग में जगह बनाने वाली पहली 'ऐनिमेटेड' फिल्म भी हैआईएमडीबी द्वारा जारी लोकप्रिय सीरीज की सूची में आर्यन खान की सीरीज द बैड्स ऑफ बॉलीवुड सबसे ऊपर रही। आर्यन खान ने कहा कि शो के शीर्ष पर होने की अनुभूति ऐसी है कि इसका निर्माण ठीक वैसा ही हुआ जैसा हम चाहते थे।फिल्म निर्माता विक्रमादित्य मोटवाने की वेबसीरिज ब्लैक वारंट और सुदीप शर्मा की पाताल लोक का दूसरा सीजन क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे जबकि प्रशंसक-पसंदीदा पंचायत के सीजन चार ने चौथा स्थान हासिल किया।

शाकाहार ही सबसे अच्छा आहार है : कमलमुनि कमलेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के पेरम्बूर में बागरेचा स्थानक में राष्ट्रसंत श्री कमलमुनिजी कमलेश ने गुरुवार को अपने प्रवचन में कहा कि यदि सात्विक और संतुलित आहार न किया जाए तो वह स्वास्थ्य के लिए अत्यंत घातक और मौत का सौदागर होता है। यहां स्वास्थ्य सेमिनार को संबोधित करते कहा कि सात्विक आहार अपने आप में औषधि का काम करता है प्रतिरोधक क्षमता ज्यादा होती है।

उन्होंने अंडे को शाकाहारी बताकर गुमराह करके भ्रामक प्रचार करने वाले वाले को बहस की खुली चुनौती देते कहा कोई भी अंडा शाकाहारी नहीं होता। उन्होंने कहा कि अंडे में भी सजीव प्राणी की तरह श्वसन और चयापच की क्रिया होती है।

मुनि कमलेश ने बताया कि डाक्टरों के अनुसार अंडे में कार्बोहाइड्रेट्स बिल्कुल नहीं होता है। उससे पेट में सड़ांध पैदा होती है और कोलेस्ट्रॉल ज्यादा होने से हार्ट अटैक, कैंसर, किडनी और गुर्दे की बीमारियों के शिकार बनते हैं। अंडा बीमारियों का भंडार है। इसमें विटामिन सी बिल्कुल नहीं होता है। अंडे को शाकाहारी बता कर दुष्प्रचार प्रचार करने वालों को दंड देने के लिए कानून सरकार को

बनना चाहिए जो जन स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि शाकाहार ही सबसे अच्छा आहार है। व्यक्ति जैसा अन्न खायेगा वैसा उसका मन होता है। अत: हमें अपने खानपान पर विशेष ध्यान देना चाहिए।

संघ के वरिष्ठ कार्यकर्ता चेतन पटवा, गौतम सकलेचा, पदम बोहरा, भंवरलाल खिमेसरा, पीएस बोहरा आदि ने जीवदया के लिए एक लाखरुपए की राशि एकत्रित की। 12 से14 दिसम्बर तक मुनिश्री माधावरम् जैन स्थानक में प्रवचन देंगे।

कन्नड़ फिल्मों को देखने के लिए लोगों को किया जागरूक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। यहां चैलेंजिंग स्टार दर्शन अभिमानी बलगा संघ की ओर से कन्नड़ फिल्मों को देखने के लिए लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से महल परिसर स्थित आंजनेय स्वामी मंदिर के सामने से एक रैली निकाली गई। रैली में बैल, ऑटो रिक्शा, कन्नड़ फ़िल्म अभिनेता चैलेंजिंग स्टार दर्शन के फोटो लगा रथ वाहन आदि के साथ कलाकारों ने नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति दी। रैली में संघ के सदस्य समूह में नृत्य करते हुए आगे बढ़ रहे थे। रैली बड़ा घंटाघर, गांधी चौक, केटी स्ट्रीट, इरवीन मार्ग, नेहरु सर्कल, अशोक मार्ग, हर्षा मार्ग होते हुए संगम थिएटर परिसर पहुंची। रैली केटी स्ट्रीट में पहुंचने पर मैसूरु डिलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष तगाराम राजपुरोहित ने दर्शन अभिमानी संघ के सदस्य सामाजिक कार्यकर्ता महेंद्र सिंह राजपुरोहित व शिवकुमार का माला पहनाकर सम्मान किया। चैलेंजिंग स्टार दर्शन अभिनीत नई फ़िल्म 'डेविल' का राज्य के विभिन्न सिनेमाघरों में प्रदर्शन किया जा रहा है।

एजी जैन स्कूल का संयुक्त वार्षिकोत्सव सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहा शिक्षा, संस्कृति एवं नैतिक मूल्यों के उन्नयन की गौरवशाली परंपरा का निर्वहन करते हुए ए. जी. जैन हायर सेकेंडरी स्कूल, ए. जी. जैन प्राइमरी एवं नर्सरी स्कूल साहुकारपेट तथा बी.एस.सी. जैन विद्यालय (मैट्रिकुलेशन) का संयुक्त वार्षिकोत्सव समारोह ऐतिहासिक राजा अन्नामलाई मंडपम में अत्यंत गरिमामय, उल्लासपूर्ण एवं प्रेरणास्पद वातावरण में अभूतपूर्व भव्यता के साथ आयोजित किया गया। समारोह का शुभारंभ वैदिक मंगलाचरण नृत्य दीप प्रज्ज्वलन एवं सरस्वती वंदना के माध्यम से संपन्न हुआ की। विद्यालय के सचिव दलजीत सिंह ढढा ने सभी गणमान्य लोगों का स्वागत करते हुए उनकी उपस्थिति के प्रति आभार व्यक्त किया। मुख्यअतिथि जीडीआर वेंचर्स ग्रुप ऑफ कंपनीज के संस्थापक जीडी रांका एवं विशिष्ट अतिथि अतिरिक्त उपायुक्त चेन्नई पुलिस डॉ जी के कन्नन उपस्थित थे। कार्यक्रम में एसएस जैन एजुकेशनल सोसाइटी के उपाध्यक्ष हस्तीमल चौधरी, विद्यालय प्रबंध समिति के सदस्य सज्जनराज मेहता, गौतमचंद बोहरा, सुरेशचंद बोकाड़िया, सुरेंद्र सिंघवी, गौतमचंद गोठी, महेंद्रचंद चौधरी एवं राजश्री चौधरी, कमला मेहता, प्रिया अबानी, राजेश सुराणा, रंजीत बोहरा, रमेश मारडिया, बाबूलाल मेहता, रेवत सिंह राजपुरोहित आदि गणमान्य मौजूद रहे।

दोनों विद्यालयों की शैक्षणिक उपलब्धियों का भव्य प्रस्तुतीकरण किया गया। विशेष रूप से उन आचार्यगण को सम्मानित किया गया, जिनके सतत मार्गदर्शन, कठोर परिश्रम एवं अक्लांत अध्यवसाय के परिणामस्वरूप बोर्ड परीक्षाओं में शत-प्रतिशत परीक्षा परिणाम प्राप्त हुआ। शिक्षकों को स्मृति-चिह्न एवं प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। उनकी साधना, समर्पण एवं निष्ठा ने उपस्थित जनसमूह को भावविभोर कर दिया। प्रधानाचार्याद्वय डॉ जयश्री बालवेंकट एवं मालिनी ने अपने उद्बोधन में विद्यालय की शैक्षिक यात्रा का विस्तृत विवेचन करते हुए कहा कि यह उपलब्धि केवल विद्यार्थियों की मेधा का नहीं, अपितु गुरुजनों की तपस्या, अनुशासन एवं अनवरत साधना का प्रतिफल है। एजी जैन नर्सरी एवं प्राइमरी स्कूल की समन्वयक कलई ने अपनी भूमिका का यथोचित निर्वहन किया।

कार्यक्रम छात्र-छात्राओं द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक प्रस्तुति में राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत नृत्य-नाटिकाएँ, सामाजिक चेतना से परिपूर्ण मंचन, मधुर सामूहिक गायन तथा सम्मिलित रहे। प्रत्येक प्रस्तुति ने दर्शकों को भावविभोर कर दिया तथा सभागार करतल ध्वनि से गुंजायमान हो उठा।

समारोह के उत्तरार्द्ध में मेधावी विद्यार्थियों को पुरस्कृत कर सम्मानित किया गया। धन्यवाद ज्ञापन बीएससी जैन विद्यालय एवं मैट्रिकुलेशन स्कूल के पत्राचारक अजय चोरड़िया ने किया।

माम्बलम संघ में तीर्थंकर पार्श्वनाथ भगवान जन्म कल्याणक 14 को

तीन दिवसीय कार्यक्रम आज से

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां टी.नगर के श्री एस एस जैन संघ माम्बलम के तत्वावधान एवं महासती श्री धर्मप्रभाजी म.सा., श्री स्नेहप्रभाजी म.सा. के पावन सान्निध्य में तीर्थंकर-पुरुषादानी पार्श्वनाथ भगवान जन्म कल्याणक 12 से 14 दिसंबर तक तीन दवसीय कार्यक्रम के रूप में तप-त्याग, सामायिक दिवस के रूप में बर्किट रोड़ स्थित माम्बलम स्थानक में मनाया जायेगा।

12 व 13 दिसम्बर को प्रवचन सुबह सवा नौ बजे एवं 14 दिसम्बर को सुबह 8 बजे से होगा। श्रावक श्राविकाएँ पोरसी के साथ 2-2 सामायिक की सामूहिक आराधना करेंगे। इस प्रसंग पर महासतीजी द्वारा पार्श्वनाथ भगवान के दस भवों का वर्णन धर्म सभा में रखा जायेगा। मंत्री बी महेन्द्र गादिया ने बताया कि डॉक्टरों की राय अनुसार महासतीजी धर्मप्रभाजीजी दोनों आँखों के सफल ऑपरेशन के पश्चात माम्बलम स्थानक में स्वास्थ्य लाभ ले रही हैं।

संघ अध्यक्ष डॉ एम. उत्तमचन्द गोठी ने बताया कि इस मौके पर भगवान महावीर सेवा समिति महिला विंग द्वारा स्थानक के बाहर अन्नदानं का कार्यक्रम भी आयोजित किया जायेगा।

अन्नदान — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के कामाक्षीपाल्या क्षेत्र के नागरिकों द्वारा आयोजित 'नाड हब्बा' कार्यक्रम में गुरुवार को अन्नदान कार्यक्रम में सेवा प्रदान करते हुए मुख्य अतिथि गौसेवक महेंद्र मुणोत।

अमेरिका में पढ़ाई करने के बाद छात्रों का वापस भारत और चीन जाना 'शर्मनाक' : ट्रंप

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन/भाषा

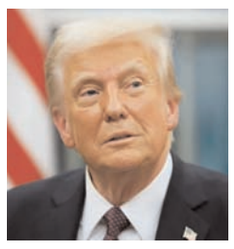

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दस लाख डॉलर की 'ट्रंप गोल्ड कार्ड' योजना शुरु करने की घोषणा की है। यह एक वीजा कार्यक्रम है, जो अप्रवासियों को अमेरिकी नागरिकता प्राप्त करने का मार्ग प्रदान करेगा। ट्रंप का कहना है कि भारत और चीन जैसे देशों के छात्रों का अमेरिका के शीर्ष विश्वविद्यालयों से स्नातक की पढ़ाई पूरी करने के बाद स्वदेश लौटना 'शर्मनाक' है। बुधवार को घोषित किया गया 'ट्रंप गोल्ड कार्ड' योजना एक ऐसा वीजा कार्यक्रम है जो अमेरिका को पर्याप्त लाभ प्रदान करने की किसी व्यक्ति की क्षमता पर आधारित है। ट्रंप ने दावा किया कि 'ट्रंप गोल्ड कार्ड' योजना कंपनियों को देश में इस तरह की प्रतिभाओं को नियुक्त करने और बनाए रखने में सक्षम बनाएगी। व्हाइट हाउस में एक बैठक में ट्रंप ने कहा, किसी महान व्यक्ति का हमारे देश में आना एक उपहार के समान है, क्योंकि हमें लगता है कि ये कुछ ऐसे असाधारण लोग होंगे जिन्हें यहां रहने की अनुमति नहीं दी जाएगी। कॉलेज से स्नातक करने के बाद, उन्हें भारत वापस जाना पड़ता है, उन्हें चीन वापस जाना पड़ता है, उन्हें फ्रांस वापस जाना पड़ता है। उन्हें वापस वहीं जाना पड़ता है, जहां से वे आए थे। वहां रुकना बहुत मुश्किल है। यह शर्मनाक है। यह एक हास्यास्पद बात है। हम इस पर ध्यान दे रहे हैं। ट्रंप ने घोषणा की कि गोल्ड कार्ड वेबसाइट शुरू हो गई है और कंपनियां व्हार्टन, हार्वर्ड और एमआईटी जैसे शीर्ष अमेरिकी विश्वविद्यालयों के छात्रों को अमेरिका में ही रखने के लिए गोल्ड कार्ड खरीद सकती हैं। इस अवसर पर आईबीएम के भारतीय मूल के अमेरिकी सीईओ अरविंद कृष्णा और डेल टेक्नोलॉजीज के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) माइकल डेल भी मौजूद थे। ट्रंप ने बताया कि उन्होंने एप्पल के सीईओ टिम कुक और अन्य अधिकारियों से कई बार सुना है कि वे सर्वश्रेष्ठ कॉलेजों से लोगों को नियुक्त नहीं कर सकते क्योंकि आपको नहीं पता कि आप उस व्यक्ति को अपने पास रख पाएंगे या नहीं। ट्रंप ने कहा कि छात्रों को देश से 'निकाल' दिया जाता है।

जाप — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मंड्या के तेरापंथ सभा भवन में आचार्य श्री तुलसी के संयम शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में तेरापंथ महिला मंडल ने तेरापंथ सभा भवन में निर्धारित समय पर 'ओम भिक्षु जय तुलसी' का जाप किया। सभी महिलाओं ने विनम्रता और श्रद्धा से जाप साधना की।

कर्नाटक सरकार ने सामाजिक बहिष्कार पर रोक संबंधी विधेयक विधानसभा में पेश किया, तीन साल की कैद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेलगावी। कर्नाटक सरकार ने बृहस्पतिवार को विधानसभा में एक विधेयक पेश किया, जो खासकर जाति पंचायतों द्वारा किसी व्यक्ति या व्यक्तियों के परिवारों या समूह के सामाजिक बहिष्कार पर रोक लगाता है, और उसे अपराध घोषित करता है। इस विधेयक में प्रावधानों का उल्लंघन करने पर तीन साल तक की जेल की सजा तथा एक लाख रुपये के जुर्माने का भी प्रावधान है।

समाज कल्याण मंत्री एच सी महादेवप्पा ने विधानसभा में कर्नाटक सामाजिक बहिष्कार (रोकथाम, निषेध और निवारण) विधेयक, 2025' पेश किया है, जिसमें सामाजिक बहिष्कार के 20 रूप बताए गए हैं। इन बहिष्कारों में किसी के साथ लेन-देन करने, उसके लिए काम करने या कारोबार करने से मना करना, मौके देने से मना करना, जिसमें सेवाओं तक पहुंच या सेवाएं के लिए अनुबंध के मौके शामिल हैं। इसके अलावा, किसी भी आधार पर सामाजिक, धार्मिक या सामुदायिक कार्यक्रमों, सभाओं, बैठकों या जुलूसों में भाग लेने से रोकना, सामाजिक बहिष्कार करना, सुविधाओं तक पहुंच को रोकना, संबंध तोड़ना, और अन्य कई बातें भी उसके अंतर्गत आती हैं। विधेयक में कहा गया है कि यह देखा गया है कि राज्य में अलग-अलग समुदायों में अब भी जाति या समुदाय पंचायतों जैसी गैर-न्यायिक संस्थाओं द्वारा बहिष्कार, अलग-अलग सज़ा देना जैसे संवैधानिक तरीके चलन में हैं, जिसके कारण व्यक्तियों या समूहों को सम्मान के साथ जीवन जीने में बहुत परेशानी होती है। विधेयक में कहा गया है कि इसका समुदाय के सामाजिक जीवन पर बुरा असर पड़ता है और समाज में गलत भावना और मनमुटाव पैदा होता है। इसमें कहा गया है, ''इसलिए समाज से इन बुरी और गैर-संवैधानिक प्रथाओं को खत्म करना ज़रूरी है।'' सरकार ने बृहस्पतिवार को विधानसभा में ''बृहत बेंगलूरु शासन (दूसरा संशोधन) विधेयक, 2025' भी पेश किया।

उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार की ओर से मंत्री महादेवप्पा द्वारा पेश किया गया यह विधेयक वृहत बेंगलूरु शासन अधिनियम 2024 में संशोधन का प्रस्ताव करता है ताकि लोकसभा, राज्यसभा, विधानसभा और विधानपरिषद के सदस्यों को ग्रेटर बेंगलूरु अथॉरिटी' के सदस्यों के रूप में शामिल किया जा सके।

सिर्फ तकनीकी नवाचारों को ही नहीं, सामाजिक नवप्रवर्तकों को भी सम्मान मिले : सुधा मूर्ति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नई दिल्ली। राज्यसभा में नाम निर्देशित सदस्य सुधा मूर्ति ने बृहस्पतिवार को सामाजिक नवप्रवर्तकों को भी पहचान और सम्मान देने की पुरजोर वकालत की। उन्होंने कहा कि तकनीकी उपलब्धियों को जहां व्यापक सराहना मिलती है, वहीं रोजमर्रा की समस्याओं के समाधान देने वाले नवाचारों को अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है।

उच्च सदन में शून्यकाल के दौरान यह मुद्दा उठाते हुए सुधा मूर्ति ने कहा कि इडली ग्राइंडर जैसे नवाचारों ने लोगों, विशेषकर महिलाओं के जीवन में बड़ा परिवर्तन किया है, लेकिन ऐसे आविष्कारकों को भुला दिया गया है। उन्होंने कहा, तकनीकी नवाचार करने पर आपकी उपलब्धियों का सम्मान होता है, पुरस्कार मिलते हैं, लोग तालियां बजाते हैं, लेकिन अन्य उपलब्धियों के लिए लोग ध्यान भी नहीं देते।

मूर्ति ने वैश्विक उदाहरणों का उल्लेख करते हुए जापानी आविष्कारक का जिक्र किया, जिसने क्यूआर कोड बनाया और उसका पेटेंट नहीं कराया, ताकि दुनिया भर में इसका मुक्त उपयोग हो सके। सदस्य ने कहा, उन्होंने इसे मुफ्त रखने की बात कही। आज हमारी और वैश्विक अर्थव्यवस्था बहुत अच्छी तरह चल रही है। लेकिन जापानी आविष्कारक ने यह काम 'बहुजन हिताय, बहुजन सुखाय' की भावना से किया। नाम निर्देशित सदस्य ने बताया कि सरकार ने विभिन्न श्रेणियों में कई पुरस्कार शुरू किए हैं-कॉर्पोरेट कार्य विभाग से लेकर वाणिज्य और उद्योग विभाग के तकनीकी पुरस्कार तक, लेकिन सामाजिक नवाचार के लिए कोई विशेष पुरस्कार श्रेणी नहीं है।

मूर्ति ने कहा, मैं भारत सरकार से अनुरोध करती हूं कि सामाजिक नवाचार के लिए एक नई पुरस्कार श्रेणी शुरू की जाए, ताकि सामाजिक नवप्रवर्तकों को पहचान और सम्मान मिल सके और इसका लाभ पूरे समाज को हो। सामाजिक क्षेत्र में अपने अनुभव का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि उन्होंने स्वयं ऐसे पुरस्कार शुरू किए हैं और उनके सकारात्मक प्रभाव देखे हैं। शून्यकाल में ही बीआरएस के रविचंद्र वद्दीराजू, तृणमूल कांग्रेस की सागरिका घोष, द्रमुक सदस्य कनिमोई एनवीएन शोमू, भाजपा की ममता मोहंता, डॉ के लक्ष्मण और आदित्य प्रसाद ने भी आसन की अनुमति से लोक महत्व से जुड़े अपने-अपने मुद्दे उठाए।

केक शो

बेंगलूरु में गुरुवार को 51वें सालाना केक शो के दौरान आर्टिस्ट फिल्म कंतारा के पंचुरुली थीम वाले एक मॉडल केक को फाइनल टच देते हुए।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Aditya at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.